हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 266, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 14 मार्च, 2022 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

चूक से भारतीय मिसाइल के गिरने से पाकिस्तान भयभीत

भारत ने जताया खेद, भारत के स्पष्टीकरण से पाकिस्तान असंतुष्ट

नई दिल्ली। गलती से भारत की एक घातक मिसाइल पाकिस्तान के क्षेत्र में चली गई इसके बाद पाकिस्तान में हड़कंप मचा मचा हुआ है। हालांकि भारत ने इस पर खेद भी जता दिया है। बावजूद इसके पाकिस्तान को भरोसा नहीं हो रहा है। पाकिस्तान के अंदर कहीं ना कहीं घबराहट देखने को मिल रही है। यही कारण है कि वह मिसाइल के दुर्घटनावश चले जाने के भारत के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नजर नहीं आ रहा है। अब पाकिस्तान ने इस घटना से जुड़े प्रश्नों को पता लगाने के लिए संयुक्त जांच की मांग शुरू करते हैं। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता के मुताबिक पाकिस्तान ने भारत के पत्र सूचना कार्यालय की रक्षा इकाई के उस प्रेस वक्तव्य पर गौर किया है, जिसमें उसने 9 मार्च को पाकिस्तानी क्षेत्र में गिरी भारतीय मिसाइल के तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनावश चलने पर खेद व्यक्त किया है और एक उच्च स्तरीय कोर्ट ऑफ इंक्वायरी कराने का निर्णय किया है। इसके अलावा पाकिस्तान ने भारत के उप राजदूत को भी तलब किया और बगैर किसी उकसावे के भारतीय मिसाइल द्वारा उसके वायु क्षेत्र के उल्लंघन को लेकर उल्लंघन को लेकर अपना गहरा प्रतिरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोइद यूसुफ ने संवेदनशील प्रौद्योगिकी

को संभाल पाने की भारत की क्षमता पर सवाल खड़ा किया और कहा कि भारत सरकार ने दुर्घटनावश मिसाइल चल जाने की घटना के बारे में पाकिस्तान सरकार को अवगत भी नहीं कराया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने कहा कि यह घटना परमाण्विक वातावरण में दुर्घटनावश या अनधिकृत मिसाइल प्रक्षेपण के खिलाफ सुरक्षा प्रोटोकॉल और तकनीकी सुरक्षा उपायों के संबंध में कई बुनियादी सवाल उठाती है। उसने कहा, इस तरह के एक गंभीर मामले को भारतीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत सरलीकृत स्पष्टीकरण से हल नहीं किया जा सकता है। उसने कहा कि कुछ सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए। विदेश कार्यालय ने कहा, ह्यपाकिस्तानी क्षेत्र में मिसाइल गिरने के बाद से आंतरिक कोर्ट आफ इन्क्वायरी कराने का भारतीय निर्णय पर्याप्त नहीं है। पाकिस्तान घटना से जुड़े तथ्यों का सही से पता लगाने के लिए संयुक्त जांच की मांग करता है। उसने कहा, भारत को आकस्मिक मिसाइल प्रक्षेपण और इस घटना की विशेष परिस्थितियों को रोकने के लिए उपायों और प्रक्रियाओं की व्याख्या करनी चाहिए। उसने कहा कि भारत को पाकिस्तानी क्षेत्र में गिरी मिसाइल के प्रकार और विनिदेर्शों को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। भारतीय मिसाइल, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मियां चन्नू इलाके के पास गिरी थी। इसमें किसी नागरिक सम्पत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ था। भारत के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में गिरी। यह घटना अत्यंत खेदजनक है, राहत की बात है कि कोई जनहानि नहीं हुई। बयान में कहा गया, ह्यतकनीकी खराबी के कारण नौ मार्च को नियमित रखरखाव के दौरान दुर्घटनावश एक मिसाइल चल गई। भारत सरकार ने दुर्घटनावश मिसाइल चल जाने की घटना को गंभीरता से लिया है और उच्च स्तरीय कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस की करारी हार के बाद असंतुष्ट जी 23 समूह के नेताओं की बैठक हुई

नई दिल्ली। देश में हाल ही संपन्न हुए पांच राज्यों विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी के जी 23 समूह के कई नेताओं ने शुक्रवार को भी बैठक की जिसमें आगे की रणनीति को लेकर चर्चा की गई। राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद के आवास पर हुई इस बैठक में कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा और मनीष तिवारी शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस कार्य समिति में शामिल 'जी 23' के नेता सीडब्ल्यूसी की बैठक में चुनावी हार का मुद्दा और पार्टी संगठन में जरूरी बदलाव और जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपनी पुरानी मांग उठा सकते हैं। जी 23' समूह के प्रमुख सदस्य गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा कांग्रेस कार्य समिति में शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रचार अभियान के बावजूद, राज्य में कांग्रेस 403 विधानसभा सीटों में से केवल दो पर जीत हासिल कर सकी। कांग्रेस की वोट हिस्सेदारी भी कम होकर 2.33 प्रतिशत हो गई और उसके अधिकतर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। पार्टी की 2019 के आम चुनावों में लगातार दूसरी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

यूपी में बुलडोजर बाबा के आगे अखिलेश यादव की सोशल इंजीनियरिंग भी हो गई फेल

लखनऊ। देश के पांच राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में पंजाब को छोड़कर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा में भाजपा को शानदार कामयाबी मिली है। यूपी में योगी आदित्यनाथ और भाजपा की दोबारा सत्ता में वापसी करा दी। वहीं उसकी मुख्य प्रतिद्वंदी कही जाने वाली सपा को एक बार फिर हार का मुंह देखना पड़ा है, लेकिन इसने तमाम समीकरणों को भी बदल दिया है। हमेशा मुस्लिम और यादव की पार्टी कही जाने वाली समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने इस बार छोटी पार्टियों से गठजोड़ किया था जो अलग-अलग जातियों में अपनी पैठ रखती हैं। समाजवादी पार्टी को इसका लाभ भी हुआ और सपा का मत प्रतिशत 22 की बजाय 32 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इसे अखिलेश यादव की सफलता से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन फिर भी भाजपा के वोट शेयर के आगें यह कम पड़ गया और अखिलेश यादव फिर विपक्ष में ही बैठेंगे। अखिलेश यादव का मुस्लिम, यादव प्लस फैक्टर भी बीजेपी से टकराने में समर्थ नहीं है। आरएलडी, सुभासपा, अपना दल कमेरावादी, महान दल जैसी पार्टियों के साथ अखिलेश यादव के गठजोड़ की काफी चर्चा थी, लेकिन अखिलेश अपनी इस रणनीति को जीत में बदलने में कामयाब नहीं हो सके। अब सवाल है कि चूक कहां हो गई? सियासी जानकारों का मानना है कि लाभार्थी वर्ग बीजेपी के लिए तुरुप का इक्का साबित हुआ है। इस वर्ग के लोग हर जाति और समुदाय में है, जिनके बड़े हिस्से ने बीजेपी को वोट किया है। यही वजह रही कि पिछड़ों के नाम पर बीजेपी को छोड़ने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे नेता भी सपा को लाभ नहीं पहुंचा पाए और अपनी सीट भी गंवा बैठे। बेरोजगारी महंगाई आवारा पशुओं जैसे मुद्दों पर भी भारी पड़ा लाभार्थी ट्रंप कार्ड, कहा जा रहा था कि लोग महंगाई बेरोजगारी से काफी नाराज हैं। ऐसे में अखिलेश क्या कर सकते हैं कि भविष्य में वह बीजेपी को चुनौती दे सकें? इसका जवाब है कि उन्हें भाजपा से परसेप्शन के लेवल पर लड़ाई लड़नी होगी। इस चुनाव के नतिजों ने एक बात तो साफ कर दी कि जाती आधारित नेताओं की गोलबंदी करने से उस जाति का पूरा समाज आपके साथ नहीं आता है। ऐसे में बीजेपी की उस परसेप्शन की काट सपा को खोजनी होगी, जो उनके खिलाफ जमीन पर काम करता है। उदाहरण के तौर पर सपा की सरकार आई तो गुंडाराज लौट आएगा, सपा के कार्यकर्ता बेकाबू हो जाएंगे। इसका जवाब सपा को तलाशना होगा। यूपी के सियासी समझ रखने वाले विश्लेषकों का कहना कि पूरे प्रचार के दौरान अखिलेश यादव जनता को यह यकीन दिलाने में नाकाम रहे कि यदि उनकी सरकार आई तो पहले जैसी गलती नहीं होगी। वह कानून व्यवस्था को ठीक करेंगे। यही वजह थी कि महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था के मुद्दे और लाभार्थी वर्ग जैसे समर्थन के आधार पर बीजेपी ने सपा पर बढ़त बना ली।

केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति बोलीं- अयोध्या-काशी के बाद मथुरा की बारी, एजेंडा में शामिल श्रीकृष्ण जन्मभूमि

मथुरा। केंद्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा, केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी के काम की बदौलत ही जनता ने एकबार फिर यूपी में भाजपा को प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने का रिकार्ड तो बनाया ही, पिछली सरकारों का नोएडा न जाने के मिथक को भी तोड़कर दोबारा सत्ता हासिल की है।

पीएम मोदी के काम को

बहुमत की सरकार दी है। कोविडकाल से लेकर अब जिस तरह घर-घर राशन पहुंचाना और गांवों में बिजली की उपलब्धता के अलावा प्रधानमंत्री आवास योजनाओं का लाभ जनता को सीधे तौर पर मिला। सीएम योगी ने प्रदेश में सीएम रहते दोबारा पूर्ण करते हुए कहा, देश के चार राज्यों में हुए चुनाव में जनता ने जो समर्थन दिया है, वह पीएम मोदी के काम के आधार पर दिया है। भाजपा का कार्यकर्ता हर हालातों में जमीन पर जनता से जुड़कर कार्य करता है। कोविड के समय भी कार्यकर्ता जनता के बीच था। जनता को जो चाहिए, उसपर फोकस करके काम सरकार ने किया।

मथुरा की बारी- पंडित दीनदयाल का अंत्योदय, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रवाद और आध्यात्मिक सांस्कृतिकवाद को लेकर सरकार चल रही है। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के सवाल पर कहा, ये तो हमारा एजेंडा था ही। अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा की ही बारी है। इससे पहले केंद्रीय राज्यमंत्री ने ठा. बांकेबिहारी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और स्वामी वामदेव ज्योतिर्मठ पहुंचकर गोपूजन व सेवा की।

बताया जीत का आधार- साध्वी ने कहा, अयोध्या, काशी के बाद अब मथुरा की बारी है। चैतन्य विहार स्थित स्वामी वामदेव ज्योतिर्मठ में चल रहे कार्यक्रम में शामिल हुईं केंद्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने पत्रकारों से बात

कांग्रेस को 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच मिलेगा नया अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की ओर से एक अहम सूचाना आ रही है। दरअसल, कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव पहले से ही चल रहे हैं और पार्टी को 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच नया अध्यक्ष मिलेगा। इसके बाद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्ण सत्र में अक्टूबर तक सीडब्ल्यूसी के चुनाव होंगे। कांग्रेस पार्टी 1 नवंबर को सदस्यों के लिए नामांकन अभियान शुरू किया और यह 22 मार्च तक चलेगा। इसके बाद जिला कांग्रेस समितियां विभिन्न पार्टी निकायों के सदस्यों और पात्र उम्मीदवारों की सूची एक अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच प्रकाशित करेंगी, इसके बाद प्रखंड स्तर पर अध्यक्ष और कार्यकारिणी समितियों का चुनाव होगा। यह प्रक्रिया 16 अप्रैल से 31 मई के बीच पूरी की जाएगी। स्थानीय अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और कोषाध्यक्षों के निर्णय के लिए कांग्रेस जिला समिति स्तर पर चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच होंगे। पीसीसी में 21 जुलाई से 22 अगस्त के बीच चुनाव होंगे।

कांग्रेस संगठनात्मक कमजोरी के कारण विस चुनाव हारी- लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक बातचीत में स्वीकार किया कि कांग्रेस संगठनात्मक कमजोरी के

कारण हार गई, लेकिन कहा कि पार्टी नेतृत्व में बदलाव की कोई जरूरत नहीं है। चौधरी ने कहा, 'हमारी पार्टी में संगठनात्मक कमजोरी है और यही वजह है कि हम हारे हैं।' उन्होंने कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से परेशान रूस ने भारत को तेल और गैस क्षेत्र में निवेश का दिया न्यौता

नई दिल्ली। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से परेशान रूस ने भारत से तेल और गैस क्षेत्र में निवेश बढ़ाने को कहा है। इसके अलावा रूस एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में अपनी तेल कंपनियों के बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने का भी इच्छुक है। 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद से रूस की अर्थव्यवस्था सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। यूक्रेन पर हमला करने के चलते पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका के नजदीक रहने वाले कुछ देशों ने भारत से भी रूस की कार्रवाइयों की निंदा करने का आह्वान किया था, लेकिन केंद्र सरकार ने सधी प्रतिक्रिया देते हुए ना तो पुतिन की कार्रवाई की सराहना की और ना ही आलोचना। भारत में रूस के दूतावास द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा, 'भारत को फिलहाल एक अरब डालर

मूल्य का तेल और पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किया जाता है। वर्तमान में जो स्थितियां हैं, उसमें इस आंकड़ें को बढ़ाने की स्पष्ट संभावना दिखाई दे रही है।' पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के साथ बातचीत के दौरान नोवाक ने रूसी तेल और गैस क्षेत्र में भारतीय निवेश को बढ़ाने और भारत में रूसी कंपनियों के बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने का आग्रह किया। बता दें कि भारत की सरकारी तेल कंपनियों की रूस तेल और गैस क्षेत्र में हिस्सेदारी है। जबकि रोसनेफ्ट जैसी रूस की सरकारी कंपनियों के पास भारतीय रिफाइनरी नायरा एनर्जी में बहुलांश हिस्सेदारी है। कुछ भारतीय कंपनियां रूस से तेल भी खरीदती हैं। प्रेट्र के अनुसार, रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकोसमोस ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा व अन्य अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को एक पत्र लिखकर रूस पर लगे प्रतिबंध को खत्म करने का आग्रह किया है और चेताया कि इससे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आइएसएस) खतरे में पड़ सकता है।

हम सेना अधिकारियों का बिजली पानी काट देंगे तेलंगाना के मंत्री केटी रामा राव की चेतावनी

नई दिल्ली। तेलंगाना में नगर प्रशासन मंत्री केटी रामा राव मंत्री ने सेना के अधिकारियों को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड इलाके में रहने वाले लोकल मिलिट्री अथॉरिटीज का बिजली-पानी का कनेक्शन काट देने की बात कही है। बता दें कि यहां पर सेना ने कैंटोनमेंट एरिया में आने वाले 21 सड़कों को बंद करके उन्हें आर्मी एरिया में शामिल कर लिया है। इससे स्थानीय लोगों को आवाजाही में काफी मुश्किल हो रही है। केटी रामा राव ने यह बात राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कही। उन्होंने स्थानीय आर्मी अफसरों द्वारा सड़कों को बंद करने और उनके निर्माण कार्यों से आम लोगों को हो रही परेशानी की भी बात कही। इसके अलावा कई इलाकों में लोगों के सुबह की सैर पर भी रोक लगा दी गई है। मंत्री ने कहाकि बल्कापुर नाला पर चेक डैम बनाने से नदीम कॉलोनी में पानी भरने लगा है। इस दौरान केटी रामाराव ने ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया पर भी सवाल उठाए। एएसआई राज्य सरकार को शतम टैंक से गोलकुंडा किले में पानी छोड़ने से रोक रहा है। केटीआर ने कहाकि मैं विधानसभा भवन से राज्य के लोगों की सहमति के आधार पर यह बात कह रहा हूं। हमने सेना के लोगों को कई बार बताया है कि उनके काम से यहां पर आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हमारे अधिकारी उनके साथ मीटिंग करेंगे। अगर वह फिर भी नहीं समझते हैं तो हम कड़ा कदम उठाएंगे। उन्होंने कहाकि तेलंगाना कोई दूसरा देश नहीं है। अगर जरूरत तो पड़ी तो हम उनके इलाके की बिजली और पानी की सप्लाई भी काट देंगे। बता दें कि स्थानीय लोगों के साथ राज्य सरकार भी केंद्र से मांग कर रही है कि सिकंदराबाद कैंटोनमेंट को ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसपल कॉरपोरेशन के साथ मर्ज कर दिया जाए।

मोदी-योगी की जोड़ी ने यूपी में रचा कीर्तिमान, विपक्षी दलों को दी पटखनी

नई दिल्ली। ताजा विधनसभा चुनाव में देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में भाजपा की शानदार जीत का ने एक बार फिर योगी आदित्यनाथ और पीएम नरेंद्र मोदी का कद बढ़ा दिया है। कहा जा रहा है कि इस जोड़ी ने अपने प्रचार के दम पर वो कीर्तिमान रच दिया, जो पिछले 37 सालों में कभी देखने को नहीं मिला। सरकार तो बना ही ली, इसके साथ-साथ कई विपक्षी पार्टियों की सियासी जमीन को हिलाकर रख दी।

विपक्ष को यूं चटाई धूल?- देश की सबसे पुरानी पार्टी और 90 के दशक से पहले तक जमकर यूपी में सत्ता पाने वाली कांग्रेस के 399 उम्मीदवारों में से 387 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। 144 महिला उम्मीदवारों को कांग्रेस ने उतारा, जिनमें से 137 अपनी जमानत नहीं बचा पाई, यानी इतने वोट भी नहीं जुटा पाईं कि चुनाव लड़ने के लिए जमा पैसा वापस मिल पाता। दलित वोटों की दावेदारी करने वाली मायावती की पार्टी ने अकेले 403 यानी सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे लेकिन 290 सीटों पर मायावती के कैंडिडेट अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए।

अखिलेश यादव के दो अहम सहयोगी दल आरलएडी और राजभर की पार्टी के 8 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई। जबकि बीजेपी के दो प्रमुख सहयोगी अपना दल एस और निषाद पार्टी के किसी उम्मीदवार की जमानत जब्त होने की नौबत नहीं आई।

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि चुनाव सीधे बीजेपी-समाजवादी पार्टी के बीच हुआ, जहां बीजेपी ने समाजवादी पार्टी से 85 लाख ज्यादा और कुल पड़े 8 करोड़ 35 लाख वोट में से 3 करोड़ 78 लाख मत हासिल किए। तो इसकी वजह है मोदी-योगी की डबल स्ट्राइक... जहां नरेंद्र मोदी अपना भरोसा योगी में दिखाते....योगी जनता के बीच नरेंद्र मोदी की अगुवाई में ही जिम्मेदारी निभाने का भरोसा जताते।

मोदी-योगी का शानदार स्ट्राइक रेट- नरेंद्र मोदी ने प्रचार के दौरान यूपी में 16836 किमी की यात्रा की थी, जबकि योगी आदित्यनाथ ने प्रचार के लिए यूपी में 18200 किमी की यात्रा की। यूपी में रैलियों, सभाओं के लिए इस जबरदस्त जोड़ी की तरफ से नरेंद्र मोदी ने 24 रैली की, 192 सीटों को कवर किया। योगी आदित्यनाथ ने 368 विधानसभाओं को अपनी 73 सभाओं के जरिए कवर किया। दोनों नेताओं ने प्रमुख रूप से विपक्ष को मिलकर परिवारवाद, भ्रष्टाचार, माफिया, तुष्टिकरण, जातिवाद के चक्रव्यूह में घेरा। इस जबरदस्त जोड़ी की लहर यूपी में इस तरह नजर आई है कि कई कठिन परिस्थितियों और कड़े मुकाबले वाली सीटों पर भी बीजेपी ने हलुआ बनाकर सत्ता का स्वाद चख लिया है। इसका सबूत ये है कि 2017 में प्रधानमंत्री ने 118 विधानसभा सीटों पर प्रचार करके 102 सीट पर जीत दिलाई थी। 2022 में नरेंद्र मोदी ने 192 सीटों तक अपने प्रचार की पहुंच बनाकर बीजेपी को 134 सीटों पर जीत दिलाई है।

खत्म होने वाली है दुनिया में कोरोना इमरजेंसी इस बड़ी तैयारी में हैं : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस के प्रकोप के दो साल बाद वैश्विक कोविड-19 संकट को समाप्त करने के मानदंडों पर विचार करना शुरू कर दिया है। जिनेवा स्थित एजेंसी ने 30 जनवरी, 2020 को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की थी। वैसे वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी वर्तमान में कोरोना इमरजेंसी को खत्म करने की घोषणा पर विचार नहीं कर रही है, लेकिन यह पता लगा रही है कि कौन सी स्थितियां संकेत देंगी कि सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल समाप्त हो गया है। कई देशों ने कोविड-19 मामलों में गिरावट दर्ज की है, लेकिन हांगकांग में मृत्यु दर में वृद्धि देखी जा रही है और इस सप्ताह चीन ने दो साल में पहली बार 1,000 से अधिक नए दैनिक मामले दर्ज किए हैं। कोविड-19 पर अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम आपातकालीन समिति अंतरराष्ट्रीय चिंता के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल को समाप्त घोषित करने के लिए आवश्यक मानदंडों को देख रही है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक डब्ल्यूएचओ ने एक ईमेल में कहा, "कोविड-19 पर अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम आपातकालीन समिति अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल को समाप्त करने के लिए आवश्यक मानदंडों को देख रही है।" हालांकि इसने "अभी तक, कोई फैसला नहीं लिया है। पिछले महीने, डब्ल्यूएचओ में आपात स्थिति के प्रमुख ने कहा था कि यदि टीकाकरण और दवाओं में भारी असमानताओं को जल्दी से संबोधित किया जाता है, तो कोरोना वायरस महामारी - मौतें, अस्पताल में भर्ती और लॉकडाउन - इस साल खत्म हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच द्वारा आयोजित वैक्सीन इक्विटी पर एक पैनल चर्चा के दौरान बोलते हुए, माइकल रयान ने कहा, "हम वायरस को कभी खत्म नहीं कर सकते" क्योंकि इस तरह के महामारी वायरस "अंततः पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बन जाते हैं।"

चिंतन मनन

चुनाव के सबक

भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड जीत के साथ सत्ता दोबारा हासिल कर ली है लेकिन इस जीत ने पार्टी को कई सबक भी दिए हैं। सबक पश्चिमी यूपी में जाटलैंड में हुए घाटे की भरपाई करने का है तो लोकसभा में हासिल 50 फीसदी मत प्रतिशत को फिर 2024 में हासिल करने की चुनौती भी है। वहीं सपा के लिए बढ़त बनाने के बावजूद अभी भी सत्ता तक पहुंचने का जादुई आंकड़ा पाने की चुनौती बनी हुई है। उसे चिंतन करना होगा कि कैसे वह इस बढ़त या यूं कहें भाजपा से छिटके ओबीसी को पाले में बरकरार रख सके जिसके कारण वह भाजपा को चुनाव प्रचार के दौरान काफी हद तक परेशान करने में कामयाब रही है। निःसंदेह भारतीय जनता पार्टी का मत प्रतिशत लगभग 42 फीसदी के पास रहा है। यह पिछले विधानसभा चुनाव में मिले 39.67 फीसदी से करीब दो फीसदी ज्यादा है लेकिन भाजपा को मत प्रतिशत को लोकसभा चुनाव 2019 के स्तर करीब 50 फीसदी तक पहुंचाने की चुनौती अभी भी बरकरार है। उसे सरकार की कार्यशैली से नाराजगी के चलते सपा के पाले में शिफ्ट 3-4 फीसदी वोटों पर भी चिंतन करना होगा। कहना गलत न होगा कि समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2017 में कुल 311 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इन पर उसको 28.30 फीसदी वोट हासिल हुए थे, जो इस बार करीब 3 से 4 फीसदी बढ़कर 32 फीसदी से ज्यादा हुआ है। ऐसे करीब 11 फीसदी मतदाता सामने आए हैं जो पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट देते हैं। शायद यही वजह थी कि लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा का मत प्रतिशत 51 के आसपास रहा था। इन चुनावों में भी मोदी-योगी के नाम पर वोट मिले हैं। पार्टी को देखना होगा कि उसके विधायकों-सांसदों के कार्यों के चलते सत्ता विरोधी रुझान न हो। यह चिंता का सबब है कि पार्टी को लोकसभा चुनावों में मिला 50 फीसदी का मत प्रतिशत विधानसभा चुनाव में क्यों नहीं मिल सका। समाजवादी पार्टी ने 110 के करीब सीटें हासिल करने के साथ ही मत प्रतिशत सुधारा है। समाजवादी पार्टी के लिए उसकी इस बढ़त में सबक यह है कि उधार की हांडी में पकवान नहीं पकाए जा सकते। पार्टी वर्ष 2012 जैसा जातीय और सामाजिक समीकरण बनाने में नाकाम रही। याद रहे कि वर्ष 2012 के चुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे बाहुबलियों को टिकट देने से इनकार कर एक अलग छवि बनाई थी। संदेश गया था कि सपा बदल रही है। समाजवादी पार्टी का मत प्रतिशत बढ़ाने में मुख्य रूप से युवाओं को नौकरी, महंगाई और छुट्टा जानवर की समस्या प्रमुख कारण रहे लेकिन सपा को समझाना होगा कि बद से बदनाम बुरा। उसे समाज में पार्टी की ऐसी छवि बनानी होगी, जिसे उसको सबका साथ मिल सके। समाजवादी पार्टी ने जिन स्वामी प्रसाद मौर्य और ओम प्रकाश राजभर को पार्टी में लेकर ओबीसी वोट बैंक को साधने की कोशिश की थी वह भी बहुत कामयाब होती नहीं दिखी। पूर्वांचल में न तो ओबीसी कार्ड चला और न ही लखीमपुर खीरी में किसान आंदोलन का मुद्दा। लखीमपुर की निघासन सीट इसका ज्वलंत उदाहरण है। तिकुनियां इसी सीट में पड़ता है जहां किसानों को कुचलने का कांड हुआ था। वहां सपा ने बसपा से आए रामआसरे कुशवाहा को इस आधार पर टिकट दिया कि उन्हें सजातीय बिरादरी के वोट मिल सकेंगे। सपा ने इसे सुनिश्चित करने के लिए स्वामी प्रसाद मौर्य की कई बैठकें करवाईं। संजय चौहान भी वहां गए लेकिन सपा को ओबीसी वोट हासिल नहीं हो सका। कुछ ऐसी ही स्थिति स्वामी प्रसाद मौर्य की सीट फाजिल नगर पर रही। पार्टी के लिए ओबीसी का बड़ा कार्ड माने जा रहे स्वामी प्रसाद मौर्य खुद हार गए।

हर तरफ तलाश !

उथल-पुथल है मचा ।
हो कोई भी दल ।।
रहे निहार अपना ।
आने वाला कल ।।
भले नहीं हो जनाधार ।
रहे पर टहल ।।
चमके जब सितारा ।
मिले शायद फल ।।
भस्मासुर अपने ही ।
बन रहे विचार ।।
नाव का तो पता नहीं ।
अधजल में पतवार ।।
नए-नए ठिकाने की ।
हर तरफ तलाश ।।
मिल जाए कुछ खास ।
हमको भी यदि काश ।।

-कृष्णेन्द्र राय

क्रिकेट जगत के लिए अपूरणीय क्षति है शेन वॉर्न का निधन

अपनी गेंदबाजी से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को भी चकमा देने में माहिर रहे सर्वकालिक महा- स्पिन गेंदबाज शेन वॉर्न के आकस्मिक निधन की खबर से समूचा क्रिकेट जगत स्तब्ध है। थाइलैंड के कोह सामुई में वक्त बिता रहे ह्यफिरकी के जादूगरह्ल महा-लेग स्पिनर शेन वॉर्न का निधन 52 वर्ष की उम्र में 4 मार्च 2022 को दिल का दौरा पड़ने के कारण हुआ। 4 मार्च की सुबह ही ऑस्ट्रेलिया के महा-विकेटकीपर रॉड मार्श का भी निधन हो गया और इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक ही दिन में दो दिग्गजों को खोना बड़ा सदमा है। स्पिन गेंदबाजी में क्रांति लाने वाले और अपनी स्पिन गेंदबाजी से दुनियाभर में क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीतने वाले वॉर्न ने अपने निधन से कुछ घंटे पहले ही रॉड मार्श के निधन पर शोक जताते हुए लिखा था कि वह हमारे शानदार खेल के लीजैंड और कई युवा खिलाड़ियों के प्रेरणास्रोत थे।

13 सितम्बर 1969 को विक्टोरिया में जन्मे वॉर्न ने अपने कैरियर में स्पिन गेंदबाजी से कई कमाल के कारनामे किए। वॉर्न दुनिया के ऐसे इकलौते गेंदबाज थे, जिन्होंने ऐसी-ऐसी गेंदों का आविष्कार किया, जिन्हें सिर्फ वे ही डाल सकते थे। फ्लिपर उनकी सबसे घातक गेंद थी। लेगब्रेक होती गेंद के बीच जब वे विकेट पर तेज गति से फ्लिपर फैंकते थे तो बल्लेबाज प्रायः एलबीडब्ल्यू या बोल्ड हो जाता था। उनकी लेगब्रेक, फ्लिपर टॉप स्पिनर तथा गुगली को दुनियाभर के बल्लेबाज समझने में विफल रहते थे। वॉर्न ने 1993 से 2005 तक कुल 194 वनडे अंतर्राष्ट्रीय और 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैच खेले। टेस्ट में उन्होंने 25.41 की गेंदबाजी औसत से 708 तथा वनडे फॉर्मेट में 293 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में 708 विकेट के साथ वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में 800 विकेट लेने वाले श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के बाद दूसरे नंबर पर रहे। वॉर्न टेस्ट तथा वनडे मैचों को मिलाकर 1000 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय विकेट लेने वाले भी मुरलीधरन के बाद दुनिया के दूसरे गेंदबाज बने थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया तथा श्रीलंका क्रिकेट ने 2007 में क्रिकेट के दोनों दिग्गजों

के सम्मान में दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज का नाम ह्यवॉर्न मुरलीधरन ट्रॉफीह्ल रखा था। टेस्ट में वॉर्न ने कुल 12 अर्धशतक लगाए और इस फॉर्मेट में बिना एक भी शतक लगाए सबसे ज्यादा कुल 3154 टेस्ट रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 99 रनों का है। वनडे में उन्होंने 1 अर्धशतक के साथ कुल 1018 रन बनाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 1319 विकेट दर्ज हैं।

टेस्ट क्रिकेट में भारत के खिलाफ शेन वॉर्न ने 1992 में सिडनी टेस्ट से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जिसमें उन्होंने पहला विकेट रवि शास्त्री का लिया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स को पहले ही सत्र में कप्तान और कोच के रूप में खिताब दिलाया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद शेन वॉर्न बिग बैश लीग और आईपीएल से जुड़ गए थे और वे आईपीएल में पहली खिताब जीतने वाली टीम के कप्तान थे। 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में उनकी कप्तानी में ही राजस्थान रॉयल्स ने खिताब जीता था। बाद में वह राजस्थान रॉयल्स टीम के कोच बने और कुछ समय तक क्रिकेट में कमेंट्री भी की। बेहतरीन कमेंटेटर के रूप में भी उन्हें सफलता मिली। क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में उन्होंने अपना आखिरी मैच वॉरियर्स की कप्तानी करते हुए 2015 में अमेरिका में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की एसआरटी ब्लास्टर्स की टीम के खिलाफ खेला था।

शेन वॉर्न के बारे में कहा जाता है कि गेंदबाजी की कला लेग ब्रेक को उन्होंने ही पुनर्जीवित किया था। बहरहाल, शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि उनकी ह्यबॉल ऑफ सेंचुरीह्ल का उल्लेख किए बिना अधूरी ही रहेगी। दरअसल 24 वर्ष की आयु में 1993 में ओल्ड ट्रैफर्ड में वॉर्न ने इंग्लैंड के माइक गैटिंग को जिस गेंद पर आउट किया था, उसे ही ह्यबॉल ऑफ सेंचुरीह्ल कहा जाता है। उस लेग ब्रेक पर न सिर्फ गैटिंग बल्कि स्वयं शेन वॉर्न भी आश्चर्यचकित रह गए थे। कई वर्षों बाद वॉर्न ने कहा भी था कि एक लेग स्पिनर के तौर पर आप हमेशा एक बेहतर लेग ब्रेक गेंद डालने के बारे में सोचते हैं और उन्होंने भी उसी तरह की गेंद डालने की कोशिश की थी लेकिन वह बॉल एक अचरज थी और उन्होंने भी कभी इसकी कल्पना तक नहीं की थी, न ही वह इसे दोहरा सकते हैं। दरअसल उन्होंने 1993 की एशेज सीरीज के दौरान 4 जून 1993 को ऐसी बॉल फैंकी थी, जिसने 90 डिग्री पर टर्न लेते हुए बल्लेबाज माइक गैटिंग को चारों खाने चित्त कर दिया था। हालांकि वॉर्न की गेंद लेग स्टंप के काफी बाहर पिच हुई थी और लग रहा था कि गेंद वाइड हो सकती है, इसीलिए गैटिंग ने उसे खेलने का प्रयास नहीं किया लेकिन गैटिंग को चकमा देते हुए जबरदस्त तेजी से घूमी गेंद उनके ऑफ स्टंप पर जा लगी, जिसे देखकर हर कोई हतप्रभ रह गया था। गेंद करीब 90 डिग्री के कोण से घूमी थी और ह्यबॉल ऑफ सेंचुरीह्ल अर्थात ह्यशताब्दी की सर्वश्रेष्ठ गेंदह्ल कही गई उस गेंद ने वॉर्न की जिंदगी बदल दी थी।

शेर्न वॉर्न न केवल मैदान के भीतर बल्कि बाहर भी बहुत लोकप्रिय थे और भारत में वह काफी लोकप्रिय रहे। उनकी गेंदबाजी को स्पिन का शास्त्रीय संगीत भी कहा जाता था। हालांकि अपने मिजाज के कारण मैदान के बाहर उनका विवादों से भी नाता रहा। उनके कई अफेयर्स रहे, ब्रेकअप हुए और पत्नी से तलाक भी हुआ। उन पर कई बार सट्टेबाजी के आरोप लगे और वह प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन करने के भी दोषी पाए गए थे, जिसके चलते उन पर प्रतिबंध भी लगा था। दक्षिण अफ्रीका में 2003 विश्व कप से पहले वह प्रतिबंधित डायूरेटिक के सेवन के दोषी पाए गए थे। शेन वॉर्न तथा मार्क वॉ को 1998 में एक सटोरिये को पिच तथा मौसम के हालात की जानकारी देने के एवज में पैसा लेने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को जुमार्ना भी देना पड़ा था। क्रिकेट में कोचिंग के खिलाफ रहे वॉर्न का मानना था कि क्रिकेट में मैनेजर होने चाहिएं। शेन वॉर्न के नाम 10 बार एक मैच में 10 विकेट और 38 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। वह दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीन हजार से भी ज्यादा रन बनाए, लेकिन कभी शतक नहीं जड़ा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले लेग स्पिनर शेन वॉर्न पहले ऐसे क्रिकेटर थे, जिन्होंने सबसे पहले 600 और 700 टेस्ट विकेट लिए थे। एक वर्ष में सर्वाधिक 96 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी वॉर्न के नाम दर्ज है, इसके अलावा वनडे में लगातार तीन पारियों में चार विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। 15 वर्षों तक क्रिकेट के मैदान पर राज करने वाले शेन वॉर्न का 1999 के क्रिकेट विश्वकप की विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान था। विश्व कप फाइनल में उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया था। अपना आखिरी टेस्ट वॉर्न ने जनवरी 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में खेला था। 1993 से 2003 तक वह पांच बार एशेज सीरीज जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे और एशेज सीरीज में उन्होंने सर्वाधिक कुल 195 विकेट चटकाए। ह्यक्रिकेट की बाइबलह्ल कही जाने वाली पत्रिका ह्यविज्डनह्ल द्वारा उन्हें 1992 से 2007 के बीच उनकी अतुलनीय उपलब्धियों के लिए 20वीं सदी के पांच क्रिकेटर्स में चुना गया था तथा 2013 में उन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम में भी शामिल किया गया था। बहरहाल, शेन वॉर्न का निधन क्रिकेट जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

भाजपा अविजित तो आप नए विकल्प की राह पर!

भारत के राजनीतिक भविष्य के लिए बेहद अहम से माने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव उसमें भी खासकर उत्तर प्रदेश ने न केवल यह जतला दिया है कि 2024 में दिल्ली की गद्दी का रास्ता फिर वहीं से निकलेगा बल्कि 37 वर्षों का मिथक भी तोड़ दिया कि एक ही दल दोबारा सत्ता में नहीं आता। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद भाजपा और योगी का उत्तर प्रदेश में दोबारा प्रचण्ड बहुमत लौटना बताता है कि मिथक बस मिथक ही होते हैं जो जनादेश के आगे टूट जाते हैं। नारायण दत्त तिवारी के बाद योगी आदित्यनाथ ही अकेले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कार्यकाल पूरा कर शानदार वापिसी की है। बेशक यह चुनाव 2024 के आम चुनाव के लिए वो ट्रेलर साबित होंगे जिसने पूरी दिखनी वाली फिल्म की कहानी खोल दी है।

अब जैसा कि तय दिख रहा है योगी आदित्यनाथ ही लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे जो 37 वर्षों के बाद होगा तथा राज्य के पांचवें मुख्यमंत्री होंगे जो दूसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी निभाएंगे। इससे पहले सिर्फ चार मुख्यमंत्री 1957 में संपूणार्नंद, 1962 में चंद्रभानु गुप्ता, 1974 में हेमवती नंदन बहुगुणा और 1985 में नारायण दत्त तिवारी ही चुनाव के बाद सत्ता में वापसी कर पाए थे। इसी तरह उत्तराखण्ड में दोबारा सत्ता में न आने का मिथक टूट चुका है। भाजपा की सत्ता में शानदार वापसी बता रही है कि मतदाताओं ने पूरा भरोसा किया है और यहाँ 3-3 मुख्यमंत्री बदलने के बाद भी वापसी ने मतदाताओं की परिपक्वता और विश्वास का जनादेश ही दिखाया है। शायद काँग्रेस यहाँ भी अपनी अन्दरूनी कलह की वजह से पिछड़ती चली गई।

बाँकी 3 राज्यों के नतीजों में पंजाब ने वो इतिहास रचा जो देश की भावी राजनीति का नया विकल्प होने के लिए तेजी से फैलता बरगद साबित हो सकता है। बेशक आम आदमी पार्टी की हैसियत अब क्षेत्रीय दल से बाहर आ रही है जिसको लेकर सभी मानते हैं कि वही काँग्रेस की जगह लेती दिखेगी। बिना लाग लपेट कहें तो 10 सालों में जिस तेजी से आम आदमी पार्टी ने अपना जनाधार तैयार किया है उससे भाजपा के शुरूआती दिनों की याद ताजा हो रही है। गोवा और मणिपुर में भाजपा की प्रभावी बढ़त बताती है कि भाजपा अभी भी अविजित है। अब काँग्रेस कहाँ होगी? कह पाना मुश्किल है 2024 के आम चुनाव से पहले 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होने हैं।

इसी साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। इनमें मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्य मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा तो मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक 10 राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है जिसके लिए भाजपा अड़ी दिख रही है।

यकीनन 2024 का इसे शंखनाद कह सकते हैं। विरोधी दलों को एक बार फिर से सोचने को मजबूर करने वाले 5 राज्यों के नतीजों से एक बात तो तय है कि देश की राजनीतिक छवि काफी बदलने वाली है। भाजपा को अव्वल मानने से किसी को भी गुरेज नहीं है लेकिन जिस तरीके से आप पार्टी ने जहाँ जीतती तो वह किसी सुनामी से कम नहीं होती लाकर आने वाले दिनों में खुद को देश के तमाम राज्यों में विकल्प और मजबूत विपक्ष बनने की ओर अग्रसर कर लिया है।

उप्र में दलित कार्ड पर राजनीति का बदलता रंग एक बड़ा संकेत जरूर है। हासिए पर आई बसपा और काँग्रेस में इसकी अगर सबसे ज्यादा कीमत किसी भी दल को चुकानी पड़ेगी तो वह है काँग्रेस। बेशक अगले पौने दो बरस में 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें बसपा कहीं भी लड़ाके की मुद्रा में नहीं है। हाँ, काँग्रेस जरूर है जो अंर्तकलह और रणनीतियों में उलझी होगी।

कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार का सत्य ! इस विषय पर विशेष संवाद !

रशिया-युक्रेन युद्ध पर बोलनेवाले कश्मीर के हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों के संबंध में क्यों नहीं बोलते ? - प्रा. रेणुका धर बजाज, दिल्ली विश्वविद्यालय

700 कश्मीरी परिवारों से चर्चा कर और 3 वर्षों के अध्ययन के पश्चात हिन्दुओं की वास्तविकता प्रस्तुत करनेवाला चलचित्र दि कश्मीर फाइल्स बनाया गया है । इस चलचित्र में कश्मीरी हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों का भीषण सत्य भारतीयों तक पहुंचाने का कार्य किया गया है; परंतु किसी भी सरकार ने इस संबंध में समिति स्थापित कर सत्य खोजने का प्रयत्न नहीं किया है । प्रसारमाध्यमों में कहीं भी इस विषय पर चर्चा होते हुए दिखाई नहीं देती । रशिया-युक्रेन युद्ध में लोगों पर हुए अत्याचारों के संबंध में प्रसारमाध्यमों ने जितनी जागृति की है, वैसे ही कश्मीर के हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों के संबंध में क्यों नहीं बोला जाता, ऐसा प्रश्न दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका तथा राजनीतिक विश्लेषक रेणुका धर बजाज ने उपस्थित किया । हिन्दू जनजागृति समिति आयोजित दि कश्मीर फाइल्स : कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार का सत्य ! इस ऑनलाइन विशेष संवाद में वे बोल रही थीं । यह विशेष संवाद 11 हजार से अधिक लोगों ने देखा । इस विशेष संवाद में चलचित्र के एक अभिनेता श्री. प्रकाश बेलवाडी ने कहा कि, 32 वर्ष पूर्व भारत के एक राज्य में हिन्दुओं के साथ क्या हुआ, यह भारतीयों को अभी तक ज्ञात नहीं है, यह धक्कादायक है । वास्तव में गत 32 वर्षों में भारत के हिन्दुओं ने कश्मीरी हिन्दुओं के लिए कुछ नहीं किया; परंतु अब हिन्दुओं ने जागृत होकर कश्मीरी हिन्दुओं को न्याय दिलवाना चाहिए । इस चलचित्र पर सर्वत्र चर्चा प्रारंभ होनी चाहिए । इस समय इक्कजुट्ट जम्मू नामक संगठन के अध्यक्ष तथा अधिवक्ता अंकुर शर्मा ने कहा कि, वर्ष 1947 से भारत में हिन्दुओं का नरसंहार हुआ, यह सभी सरकारों ने, प्रसारमाध्यमों ने प्रशासकीय अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से नकार दिया है । कश्मीर में हुए नरसंहार पर विशेष जांच दल स्थापित कर अन्वेषण करने की कश्मीरी हिन्दुओं की याचिका सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दी है । कश्मीरी हिन्दुओं का नरसंहार हुआ, यह यदि अस्वीकार किया जा रहा हो, तो कश्मीरी हिन्दुओं को न्याय कैसे मिलेगा? यह नरसंहार स्वीकृत करना दोगुना नरसंहार करने के समान है। इस समय सनातन संस्था की श्रीमती क्षिप्रा जुवेकर ने कहा कि, कश्मीरी हिन्दुओं का नरसंहार एक दिन में अचानक नहीं हुआ है । यह षड्यंत्र बहुत पहले से चल रहा था। उसके लिए धन की आपूर्ति की गई । हिन्दुओं की सूची बनाकर सर्वत्र वितरित की गई । हमें कश्मीर चाहिए, हिन्दू नहीं ! ऐसे प्रसिद्धीपत्रक निकाले गए; इसकी ओर तत्कालीन राज्य और केंद्र सरकार ने जानबूझकर अनदेखी की है । इस समय हिन्दू जनजागृति समिति के प्रवक्ता श्री. मोहन गौडा ने कहा कि, गत 10 वर्षों में कश्मीरी हिन्दुओं को न्याय दिलवाने के लिए हिन्दू जनजागृति समिति ने संपूर्ण देश में 500 चित्रप्रदर्शनियां लगाकर तथा अनेक सभाएं आयोजित कर 10 लाख हिन्दुओं को जागृत किया है। कश्मीरी हिन्दुओं को न्याय मिलने तक समिति का यह संघर्ष चलता ही रहेगा ।

बैचारिक मतभेद और आपसी कलह के चलते त्योहार हुआ फीका

प्रखर जखनियां गाजीपुर (गौरीशंकर पाण्डेय सरस)। वैसे भारत त्योहारों का देश है। त्योहारों के जरिए आपसी अनबन भुलाकर आपसी मेल और सद्भाव के जरिए एकता और अखंडता की नींव को मजबूती दी जाती है। पौराणिक कथाओं के माध्यम से

अब नहीं रही पहले जैसा होली

धार्मिक भावनाओं को विकसित किया जाता।यही वजह है की होली के दिन दिल खिल जाते हैं रंगों में रंग मिल जाते हैं और शहर से लेकर गांव तक, कस्बों और बाजारों तक बाल्टी के बाल्टी उड़ेलते रंग उड़ते अबीर गुलाल युवक युवतियों के सूर्ख होते गाल सबके सब विना कहे बता रहे होते थे की बुरा न मानो होली है।

आज से लगभग चार दसक पहले जहां आपसी भाईचारा,होली का खुमार सबके सिर चढ़कर रंगोत्सव का अहसास कराता था आज वह वहां से सबकुछ लुप्त हो चला है चालीस साल पहले माघ मास शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि से समस्त गांव के लोगों द्वारा होलिका गाड़ने से लेकर होलिका दहन तक का मध्य भाग अपने आप में काफी खुशनुमा खुशमिजाज हुआ करता था। गांव के बड़े बुजुर्गो संग युवकों की गायन मंडली से गूंजते चौपाल पर चौताल और झूमर संग बेलवईया फाग होलीऔर कबीरा अत्यंत फूहड़पन के बावजूद किसी को नागवार नहीं लगने वाले थे। गांव के चौपाल पर होने वाले चौताल और झूमर क्लिष्ट हिन्दी भाषा साहित्य के नव रस से सराबोर गीतों का शब्द विन्यास और उसके शुद्ध उच्चारण सुयोग्य और शिक्षित होने के पुख्ता सबूत थे। बसंत आगमन पर बागों अमुराईयों में कूंकती

कोयल और आम्रमंजरी से मंहकती दशो दिशाएं मंजरियों पर रसास्वादन के लिए गुंजार करते भ्रमरों के दल अपने आप में अद्भुत थे।झूमर गीत का नमूना कुछ इस तरह का था विरहिन दुख अगमल खाने बसंत निराने,लख्यौ अंब बगराज मधुकर कूंच दिखाने,वृक्ष भयो पतझार टेषु वन माह फुलाने--

विरह गीतों में बारह मासा चौताल और प्रश्नवाचक पहेली दार बेलवइया की भी काफी धूम हुआ करती थी। चौताल का एक उदाहरण परदेशवा बलमुआं सिधारे विरह दुःख डारे ,माघ बाघ सम फाड़ खात फागुन फगुआ ललकारे,चैत चमेली चवहुं दिशी फूलल, कोयल नभ कहर गुजारे विरह दुःख डारे--

इसी तरह बेलवइया भी काफी दिमाग गीत थी जैसेः है गहरा ऐलान चार प्रश्न पर भाई,दिजै बतलाय चार प्रश्न पर भाई,कौन वृक्ष जहां में जिसकी तीन प्रमुख हैं शाखा,कोटि बहत्तर लटकी डाली बन्धन जकड़ के बांधा आदि-- काम प्रधान गीतों के अलावा भक्ति प्रधान गीतों का भी जलवा रहा था। जैसे मैं तो सुमिरहुं आदि भवानी रे माया, मातु जगदंबा देवी देखौ मैं तोर शिवा नंगा, होली खेलैलैं पवन कुमार लंका मझार चढ़ी, आदि--

गांव की अहम विशेषता यह थी कि एक दुसरे के प्रति अगर अनबन भी थी तो बहुत टिकाऊ नहीं हुआ करती थी। सामाजिक समरसता का मोल था।तभी तो होली के हुड़दंग में सबके सब एक सा नजर आते थे। लगभग डेढ़ महीने तक चलने वाले होली रस रंग में नौटंकी मंचन काबिले तारीफ था। गीतों भरा पात्रों का दृढ़ता पूर्वक संवाद मंचन मन को विनोद से भर देता था। गायकी में तन्मयता वाद्ययंत्रों के मेल का कोई जबाव नहीं था। होली के दिन विविध भांति के बने पुआ पकवान उम्दा मिष्ठान गुझिया आदि से द्वार पर आए बंधुबांधवो का सत्कार किसी अतिथि स्वागत से कम नहीं था।छनती भंग गटकते लोग चढ़ती नशा दीवाना बना देती थी।शौक ऐसा कि सुदूर क्षेत्रों से नामचीन पुरूष नर्तक को सामुहिक खर्च पर बुलाया जाता था और होली बाद बुढ़वा मंगल के बाद सहर्ष पारितोषिक के अलावा अन्न वस्त्र एवं आर्थिक लाभ संग विदाई दी जाती थी।ना जाने किसकी नजर लग गई की गांव की एकता अखंडता मर्माहत होने लगी।अब पहले जैसा परिवेश का होना दीवास्वप्न सा हो चला है। बड़े बुजुर्गो के अनुसार गांव में हड़प और पांव पसारने की कूटरचित साजिश ने कटुता का बीज बो दिया जिससे वर्तमान युवा पीढ़ी काटने को मजबूर हैं। कुछ कुंठित मानसिकता के धनी लोगों की कुटिल साजिश के चलते गांव का मधुर संबंध आपसी प्रतिशोध वैचारिक मतभेद में तब्दील हो गए।जो गांव के चतुर्दिक विकास में रोड़ा का काम करने से बाज नहीं आते।

कील-मुंहासों से हैं परेशान, आजमाएं आयुर्वेदिक उपचार

कील-मुंहासे प्रत्येक किशोर या किशोरी को अनिवार्य रूप से होते ही हैं, ऐसा नहीं है। जिनको होते हैं, वे मानसिक रूप से दुःखी-पीड़ित होते हैं और समझ नहीं पाते कि ये कील-मुंहासे क्यों निकल रहे हैं और इनको कैसे ठीक किया जा सकता है।

कील-मुंहासों को आयुर्वेदिक भाषा में 'युवान-पीड़िका' और ऐलोपैथिक भाषा में 'एक्ने' और 'पिम्पल' कहते हैं। किशोर अवस्था की समाप्ति और युवावस्था के प्रारम्भ में चेहरे पर फुंसी के रूप में मुंहासे निकलते हैं और ये पीड़ा पहुंचाते हैं, इसलिए इन्हें 'युवान पीड़िका' कहा गया। शरीर में किसी भी कारण अतिरिक्त रूप से बढ़ी हुई उष्णता मुंहासे पैदा करने में कारण मानी जाती है, इसलिए मुंहासे होने की सम्भावना उनको ज्यादा होती है, जिनके शरीर की तासीर (प्रकृति) गर्म हो। ऐसे बच्चे अगर आहार-विहार भी उष्णता बढ़ाने वाला करते हैं तो उनके शरीर में उष्णता बढ़ती है और कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

कील-मुंहासों के निकलने का समय 13-14 वर्ष की आयु से लेकर 20-22 वर्ष की आयु के मध्य का होता है। इस आयु में उष्णता बढ़ाने वाला आहार-विहार नहीं करना चाहिए। ऐलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मुंहासों का कारण होता है वसा ग्रन्थियों (सिबेसियस ग्लैंड्स) से निकलने वाले स्राव का रुक जाना। यह स्राव त्वचा को स्निग्ध रखने के लिए रोम छिद्रों से निकलता रहता है। यदि यह रुक जाए तो फुंसी के रूप में त्वचा के नीचे इकट्ठा हो जाता है और कठोर हो जाने पर मुंहासा बन जाता है। इसे 'एक्ने वल्गेरिस' कहते हैं। इसमें पस पड़ जाए तो इसे कील यानी पिम्पल कहते हैं। पस निकल जाने पर ही यह ठीक होते हैं। साधारण स्थिति में ये निकलते और ठीक होते रहते हैं पर असाधारण और गम्भीर स्थिति में बहुत दिनों तक बने रहते हैं। चेहरे की त्वचा को कुरूप कर देते हैं। शरीर में एण्ड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो जाने का भी सम्बन्ध इस व्याधि से होता है। आनुवंशिक प्रभाव भी इसमें कारण होता है।

कारण : तेज मसालेदार, तले हुए, उष्ण प्रकृति वाले पदार्थों का अधिक सेवन करने, रात को देर तक जागने, सुबह देर तक सोए रहने, देर से शौच व स्नान करने, शाम को शौच न जाने, निरंतर कब्ज बनी रहने, कामुक विचार करने, ईर्षा व क्रोध करने, स्वभाव में गर्मी व चिड़चिड़ापन रखने आदि कारणों से शरीर में ऊष्णता बढ़ती है और तैलीय वसा के स्राव में रुकावट पैदा होती है, जिससे कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

सावधानी : हलका, सुपाच्य और सादा आहार पथ्य है, अधिक शाक-सब्जी का सेवन करना, अधिक पानी पीना, शीतल व तरावट वाले पदार्थों का सेवन करना पथ्य है।

तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए, मांसाहारी पदार्थों तथा मादक द्रव्यों का सेवन करना अपथ्य है।

आयुर्वेदिक उपचार

* गाय के ताजे दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें। सूख जाने पर पानी से धो डालें।

रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें।

मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

* शुद्ध टंकण और शक्ति पिष्टी 10-10 ग्राम मिलाकर एक शीशी में भर लें। थोड़ा सा यह पावडर और शहद अच्छी तरह मिलाकर कील-मुंहासों पर लगाएं।

लोध्र, वचा और धनिया, तीनों 50-50 ग्राम खूब बारीक पीसकर शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण थोड़े से दूध में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। आधा घण्टे बाद पानी से धो डालें।

* सफेद सरसों, लोध्र, वचा और सेन्धा नमक 25-25 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें और शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण पानी में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं।

कूठ, प्रियंगु फूल, मजीठ, मसूर, वट वृक्ष की कोंपलें (नरम छोटी पत्तियां), लोध्र, लाल चन्दन, सब 10-10 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें। एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ पीसकर लेप बना लें। इसे कील-मुंहासों पर लगाएं।

* साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं। * वरुण (वरना) की छाल 25 ग्राम लेकर एक गिलास पानी में इतनी देर तक उबालें कि पानी आधा गिलास बचे। लाल चन्दन, काली मिर्च और जायफल, तीनों का पिसा हुआ बारीक चूर्ण 10-10 ग्राम लेकर मिला लें और शीशी में भर लें। कुनकुने गर्म पानी से कील-मुंहासों को धोकर, इस चूर्ण को पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। लेप सूख जाए तब कुनकुने गर्म पानी से धो डालें।

दुल्हन ऐसे करें गहनों का चयन

शादी का मौसम और तैयारियां जोरों पर है। शादी की तैयारी और खरीदारी उतनी आसान भी नहीं होती। कई तरह के सवाल होते हैं, कि क्या जंचेगा क्या नहीं। यह लेना चाहिए या वह। कद-काठी और रंग के अनुसार खरीदारी हो, तो यह सबसे बेहतर होता है। फिलहाल जानिए दुल्हनों के लिए गहनों का चयन करने के लिए कुछ आसान टिप्स -

1 गहने खरीदने का पहला सरल तरीका यह है, कि आप जो पहनने वाली हैं, उसके अनुसार गहनों का चयन कीजिए और कुछ हल्के-फुल्के गहने अतिरिक्त लेकर रखें जो कई जगह आपके काम आ सकते हैं।

2 दूसरी बात, आपको कुंदन, मोती, स्टोन या मेटल जिस प्रकार के गहने पहनने में रुचि है, वह पहले ही तय कर लें और उसके अनुसार ही गहनों की खरीदारी करें। इससे आप भ्रमित नहीं होंगे और आखिरकार वही लेकर आएंगे जो आपने सोचा था।

3 अगर आपकी लंबाई कम है तो इस तरह के हार और कान के बालों का चयन करें जो लंबे हों। हार के मामले में या तो लंबाई अधि?क हो या फिर हार फिलकुल गले से सटा हुआ होना चाहिए। आजकल दोनों साथ में पहनने का भी फैशन है।

4 हार अगर लंबा ले रही हैं, तो लंबाई सीने से जरा नीचे ही रखें। इसके अलावा कोई व्ही शेप नेकलेस भी आपकी लंबाई को बढ़ाएगा।

5 अगर हाथ में ब्रेसलेट पहनने वाली हैं, तो ध्यान रखें कि आप पर पतले ब्रेसलेट ज्यादा अच्छे लगेंगे, बजाए चौड़ाई वाले ब्रेसलेट के। चूड़ि?यों के मामले में भी ऐसे ही चयन करें।

6 अगर आपकी लंबाई अधि?क है, तो आप किसी भी तरह के हार का चयन कर सकती हैं। कान के बाले भी आप पर दोनों तरह के जंचेंगे। इसके अलावा हाथों में चूड़ी या ब्रेसलेट, आप जो भी पहनें हाथ भरकर पहनें।

7 अगर आपकी लंबाई बहुत ज्यादा या बहुत कम नहीं है, तो आप सामान्य लंबाई वाले हैं। आप पर किसी भी आकार और लंबाई के गहने सूट करेंगे। आप बेफिक्र होकर अपनी पसंद के गहने पहन सकती हैं।

त्वचा को बेदाग बनाएं, यह 10 उपाय

साफ-सुथरी, बेदाग और निखरी त्वचा ही असली खूबसूरती को बयां करती हैं। ऐसी खूबसूरती पाना कौन नहीं चाहता, लेकिन जब कई तरह के जतन करने के बाद त्वचा के दाग धब्बे नहीं जाते तब, सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है, तो अब फिक्र छोड़ दीजिए। क्योंकि हम बता रहे हैं त्वचा के दाग धब्बों से निजात पाने के 10 आसान उपाय - 1 उपचार से पहले एक बात हमेशा ध्यान रखें कि सावधानी और सुरक्षा रखकर आप दाग-धब्बों को उभरने से रोक सकते हैं। इसके लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न केवल दाग-धब्बे कम तो होंगे ही, इने होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

2 त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हल्की पाउडर में थोड़ा-सा कच्चा दूध मिलाकर लगाने से त्वचा के दाग धब्बे कम होते हैं। प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर चमक भी आती है।

3 त्वचा पर जहां भी दाग-धब्बे हों, वहां पर थोड़ा सा बेकिंग सोडा और शहद मिलाकर लगाएं। कुछ समय रखकर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग धब्बे धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।

4 जायफल, त्वचा के दाग धब्बे हटाने और रंग निखारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। इसे दूध में घिसकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे और त्वचा का रंग भी साफ होगा।

5 कोको बटर का उपयोग भी चेहरे को बेदाग करने के लिए किया जा सकता है। रोजाना कोको बटर से त्वचा की मसाज करने से दाग-धब्बे तो दूर होंगे ही, स्ट्रेच मार्क्स और अन्य समस्याएं भी ठीक हो जाएंगी।

6 त्वचा के लिए जैतून का तेल भी प्रभावी उपाय है। प्रतिदिन चेहरे पर जैतून के तेल से मसाज कर, 10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा बेदाग तो होगी ही, साथ ही मुलायम और चमकदार भी हो जाएगी।

7 कच्चे दूध का प्रयोग भी आपके चेहरे को बेदाग करने में मदद करता है। प्रतिदिन चेहरे पर कच्चे दूध से मसाज करें या फिर बेसन में कच्चा दूध मिलाकर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद गुनगुने पानी से धो लें।

8 अगर आपकी त्वचा रूखी न हो तो आप टमाटर और नींबू के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं। आलू का रस भी चेहरे को बेदाग रखने का एक अच्छा उपाय है। इससे त्वचा के दाग धब्बे तो मिटते ही हैं, रंग भी साफ होता है।

9 दाग धब्बों को त्वचा पर ठहरने न देना भी इसका एक उपाय है। इसके लिए आपको नियमित तौर पर त्वचा की सफाई पर ध्यान देना होगा। साथ ही डेली स्क्रब का इस्तेमाल कर आप मृत त्वचा को भी त्वचा पर जमने से रोक सकते हैं।

10 नीम, पुदीना और तुलसी का रस लगाने से भी त्वचा बेदाग होती है। नियमित इस प्रयोग को करने से त्वचा के दाग-धब्बे मिट जाते हैं, और त्वचा कांतिमय नजर आती है। साथ ही आप ताजगी भी महसूस करते हैं।

ठंड में क्यों फटती है एड़ियां, जानिए सरल इलाज

जैसे-जैसे सर्दी का मौसम अपने शबाब पर पहुंचता है, पैरों की खूबसूरती को बनाए रखना मुश्किल होता जाता है। पैरों की चमड़ी का सख्त हो जाना और एड़ियों का फटना जैसी समस्याएं इस मौसम में आम तौर पर उभरकर सामने आती हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। जानिए कुछ महत्वपूर्ण बातें-

क्या है एड़ियां फटने की मुख्य वजह एड़ियां फटने की मुख्य वजह शरीर में कैल्शियम और चिकनाई की कमी होती है। एड़ी व तलवों की त्वचा मोटी होती है, इसलिए शरीर के अंदर बनने वाला सीबम यानी कुदरती तेल पैर के तलवों की बाहरी सतह तक नहीं पहुंच पाता। फिर पौष्टिक तत्व व चिकनाई न मिल पानेकी वजह से ही एड़ियां खुरदरी-सी हो जाती हैं और इनमें दरार पड़ने लगती है। एड़िया ज्यादा फटने से दर्द और जलन तो होती ही है, कभी-कभी खून भी निकल आता है।

<u>ठंड में फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के नुस्खे</u>

* डेढ़ चम्मच वैसलीन में एक छोटा चम्मच बोरिक पावडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगा लें, कुछ ही दिनों में फटी एड़ियां फिर से भरने लगेंगी। * अगर एड़ियां ज्यादा फटी हुई हों तो मैथिलेटिड स्पिरिट में रुई के फाहे को भिगोकर फटी एड़ियों पर रखें। ऐसा दिन में तीन-चार बार करें, इससे एड़ियां ठीक होने लगेंगी। * गुनगुने पानी में थोड़ा शैंपू, एक चम्मच सोड़ा और कुछ बूंदें डेटॉल की डालकर मिला लें। इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक भिगोकर रखें। त्वचा फूलने पर मैथिलेटिड स्पिरिट लगाकर एड़ियों को प्यूमिक स्टोन या झांवे से रगड़कर साफ कर लें। इससे एड़ियों कीमृत त्वचा साफ हो जाएगी। फिर साफ तौलिए से पोंछकर गुनगुने जैतून या नारियल के तेल से मालिश करें। * पैरों को साफ व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पैडिक्योर को अवश्य चुनें। यह पैरों के नाखून, एड़ी व तलवों की सफाई का शानदार तरीका है। * पैडीक्योर एक आसान विधि है, इसे आप खुद घर पर भी कर सकती हैं अगर आपके पैरों की दशा ज्यादा खराब है तो पैडीक्योर किसी ब्यूटी स्पेशलिस्ट से ही करवाना मुनासिब है।

सलमान खान की ईद-दिवाली

राधे योर मोस्ट वांटेड भाई और अंतिम द फाइनल ट्रूथ के बाद, सलमान खान की सिनेमाघरों में दिखाई जाने वाली पहली फिल्म कभी ईद कभी दिवाली बनने जा रही है। यह फिल्म 30 दिसम्बर 2022 को प्रदर्शित होगी। फिल्म कभी ईद कभी दिवाली, सलमान खान का दुहरी भेंट जैसी है। फिल्म सलमान के जन्मदिन सप्ताहांत में प्रदर्शित हो रही है। इसमें 26 साल छोटी अभिनेत्री पूजा हेगड़े पहली बार सलमान खान के साथ स्क्रीन साझा कर रही होंगी। फिल्म में उनका दूसरा रोमांस 31 साल की कृति सेनन है। क्या फरहद समजी निर्देशित कभी ईद कभी दिवाली को राधे और अंतिम की तरह असफलता का मुंह तो नहीं देखना होगा?

सैंडविच बन रही है अक्षय की बच्चन पाण्डेय

काप एक्शन फिल्म सूर्यवंशी के बाद, अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पाण्डेय सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। इससे पहले उनकी रोमांस त्रिकोण फिल्म अतरंगी रे डिजिटल माध्यम पर स्ट्रीम हो कर उनका नाम डुबो चुकी है। बच्चन पाण्डेय कामेडी एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें अक्षय बच्चन पाण्डेय की शीर्षक भूमिका कर रहे है। उनका साथ कृति सेनन और जैकलिन फर्नांडीज दे रही है। यह तमिल हिट जिगरठंडा की रीमेक है। खुद जिगरठंहा भी 2006 की कोरियाई फिल्म द डर्टी कार्निवल का रीमेक थी। फिल्म का निर्देशन फरहाद समजी ने किया है। बच्चन पाण्डेय 14 अप्रैल को लगभग आधा दर्जन कन्नड फिल्मों के अलावा शाहिद कपूर की क्रिकेट पर फिल्म जर्सी और केजीएफ चैप्टर 2 से घिरी हुई है। वह सैंडविच बनती दिख रही है। फिल्म से एक हफ्ता पहले यानि 11 अप्रैल को प्रभास और पूजा हेगड़े की रोमांस फिल्म राधे श्याम और 25 मार्च को एसएस राजामौली निर्देशित और रामचरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत डब तेलुगु फिल्म आरआरआर भी प्रदर्शित हो रही है।

करण का तीसरा नेपोटिज्म

फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर, नेपोटिज्म के कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित करते जा रहे हैं। श्रीदेवी की बिटिया जाह्नवी कपूर को धड़क और चंकी पाण्डेय की बेटी अनन्या पाण्डेय को फिल्म स्टूडेंट आफ द इयर से पहला अवसर देने के बाद, अब करण ने जाह्नवी की कजिन तथा अनिल कपूर और बोनी कपूर के छोटे भाई संजय की बेटी शनाया कपूर को बेधड़क मौका दे रहे है। शनाया की पहली फिल्म में उनके दो जोड़ीदार लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा है। शशांक खेतान निर्देशित इस फिल्म का, दोनों मिले इस तरह शीर्षक के साथ पिछले साल घोषणा की गई थी। यह फिल्म नए शीर्षक बेधड़क के साथ शुरू करने जा रही है।

रामगोपाल की समलैंगिक खतरा

अपनी गैंगस्टर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध रामगोपाल वर्मा की पहली निर्देशित लेस्बियन लव स्टोरी डेंजरस :खतरा 8 अप्रैल 2022 को प्रदर्शित होने जा रही हैं। फिल्म को बोल्ड सब्जेक्ट और महिला समलैंगिक प्रेम कहानी के कारण सेंसर बोर्ड वयस्कों के लिए प्रमाणपत्र के साथ पारित कर दिया। वर्मा ने फिल्म का पोस्टर रिलीज करते हुए कहा। समलैंगिक संबंधों पर फिल्म डेंजरस खतरा को सेंसर से वयस्कों के लिए पारित किए जाने पर मैं काफी

खुश हूं। अगर इसे ए सर्टिफिकेट नहीं मिलता तो मैं बहुत निराश होता। फिल्म की कहानी दो औरतों के बीच प्यार और उनके रिश्तों पर आधारित हैं। जो इस पुरुष प्रधान समाज से असंतुष्ट होकर एकदूसरे की तरफ आकर्षित होती हैं। इस क्राइम थ्रिलर ड्रामा फिल्म में काफी बोल्ड और इटिमेट सीन शूट हुए हैं। फिल्म में साउथ फिल्मों की हाट सायरन अप्सरा रानी और नैना गांगुली लीड किरदार में हैं।

कैसा लव हास्टल

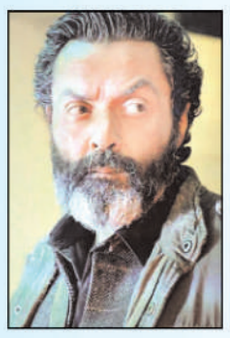

बाबी देओल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म लव हास्टल में खून खराबा, खून खराबा और सिर्फ खून खराबा है। बाबी का फिल्म करियर लगभग खत्म हो चुका है। उनकी डिजिटल प्लेटफार्म के लिए इतनी निराशाजनक भूमिका करने की मजबूरी समझ में आती है। पर विक्रांत मैसी और सान्या मल्होत्रा की क्या विवशता है कि उन्होंने सिर्फचंद पैसों के लिए करियर के लिए अपने करियर को दाग लगा लिया? जी5 से स्ट्रीम हो रही निर्देशक शेखर रमण की फिल्म लव हास्टल निराश करती है।

■ अ. कां.

एक्शन फिल्मों में होली की गोली

इस साल होली में एक्शन कामेडी फिल्म बच्चन पाण्डेय प्रदर्शित होने जा रही है। पिछले कुछ सालों से होली पर एक्शन, गैंगस्टर, सोशल कामेडी फिल्में प्रदर्शित की जा रही हैं। इनमें से ज्यादातर अपराध, मारधाड़ और हास्य होता है पर होली बहुत कम होती है। जबकि होली मिलने मिलाने का त्यौहार है। होली गीत के दौरान ही प्रेम पराकाष्ठा पर होता है। पुरानी हिंदी फिल्मों में होली का यही रूप सामने आता रहा है लेकिन एक्शन गैंगस्टर फिल्मों के युग में भी कभी किसी फिल्म में होली में रोमांस दिखाई दे जाता है।

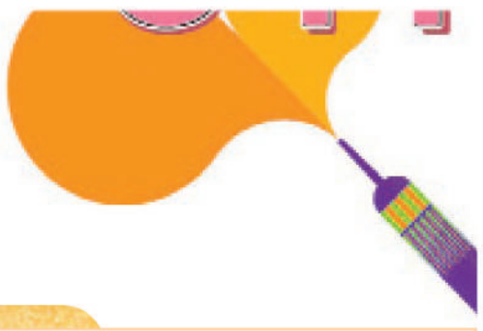

होली से टायलेट का सफर- अक्षय कुमार और भूमि पेडणेकर की फिल्म टायलेट एक प्रेम कथा महिलाओं मे स्वच्छता का संदेश देने वाली फिल्म थी। महिलाओं के खुले में शौच जाने के विरुद्ध संदेश में अक्षय और भूमि पति पत्नी की भूमिका में थे। ससुराल में शौचालय न होने के कारण जया मायके आ जाती है। केशव होली के दिन उसे मनाने जाता है। मथुरा वृन्दावन की लट्ठ मार होली पर आधारित गोरी तो लट्ठ मार गीत से होता है। इसके समाप्त होते होते घर में शौचालय के निर्माण का निर्णय लेता है। इस होली गीत का भावनात्मक चित्रण था।

होली में गोली या होली- साजिद नाडियाडवाला की फरहद समजी निर्देशित और कृति सेनन अभिनीत गैंगस्टर फिल्म बच्चन पाण्डेय का होली में गोली कह कर प्रचार किया जा रहा है। इससे ऐसा लग सकता है कि फिल्म में कोई होली गीत होगा। अक्षय कुमार का गैंगस्टर होली गीत में ठुमका लगाते हैं या नहीं पर प्रचार करने के लिए होली में गोली का नुस्खा बढ़िया है।

राम की होली लीला- प्रेम का अनोखा रूप संजय लीला भंसाली ने अपनी फिल्म गोलियों की रासलीला- राम-लीला में प्रस्तुत किया था। इसके मुख्य चरित्र राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) अलग अलग हिंसक कबीलों के परिवार से थे। लीला भी गोलियों की भाषा में बात करती थी। लेकिन होली के दिन जैसे ही राम और लीला एक दूसरे को गुलाल लगाते हैं, दोनों को प्रेम की भाषा समझ में आ जाती है, जो दुश्मन परिवारों के बीच यह रंगबिरंगा रोमांस दिलचस्प था।

घटनाक्रम वाला शोले होली गीत- अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, जया बच्चन और संजीव कुमार के साथ अमजद खान की डाकू भूमिका वाली सुपरहिट फिल्म शोले का होली गीत भी काफी घटनाक्रम वाला गीत है। इस गीत के ठीक बाद, रामगढ़ पर डाकू गब्बर सिंह हमला कर देता है। इस डाकू, जय वीरू टकराव के बीच ठकुर का बन्दूक उठा कर न फेंकना रहस्य से पर्दा उठने वाला साबित होता है। इसमें धर्मेंद्र और हेमा मालिनी का उत्तेजक रोमांस जया बच्चन के प्रति अमिताभ बच्चन के मूक रोमांस तक जाता है। कहते है कि इसकी शूटिंग के दौरान ही धर्मेंद्र और हेमा मालिनी का रोमांस हुआ।

बद्रीनाथ की अलग होली- प्रेम पर करियर को महत्व देने वाली फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया हिट रोमांस फिल्म थी। वरुण धवन और आलिया भट्ट की जोड़ी पहले ही हिट हो चुकी थी। इसमें दोनों का रोमांस छोटे शहर से विदेश तक पहुंचता है। फिल्म में होली की गुंजाईश खास दिखाई नहीं देती। लेकिन, निर्देशक शशांक खेतान ने होली गीत को जगह दी थी। यह टाइटल ट्रैक रंगीन रोमांस को उभारता ही था। 2017 के बाद से, बद्रीनाथ की दुल्हनिया का यह होली ट्रैक होली का अटूट हिस्सा बन गया है।

विछोह की होली- अयान मुखर्जी की रणवीर कपूर और दीपिका पादुकोण की रोमांस फिल्म यह जवानी है दीवानी में मधुर गीत थे। परन्तु इसका होली गीत बलम पिचकारी, फिल्म के नायक के प्रति नायिका के प्रेम को उभारने वाला है। इस दौरान नायिका निश्चित कर लेती है कि वह अपने प्रेम को नायक के सामने व्यक्त करेगी। लेकिन उसे मालूम होता है कि नायक करियर बनने के लिए विदेश जाना चाहता है। उसके दिल की बात जबान तक नहीं आ पाती। यह गीत नायक नायिका के मिलन और विछोह का गीत बन जाता है।

होली में बलात्कार- सनी देओल को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाने वाली, राजकुमार संतोषी निर्देशित फिल्म दामिनी नायिका प्रधान फिल्म थी। इसकी नायिका होली के दिन ससुराल वालों के नौकरानी से बलात्कार की चशमदीद है। वह इस बात को छुपाती नहीं। अपराधियों को सजा दिलाने के लिए वह पति और ससुराल की नाराजगी की भी परवाह नहीं करती। दामिनी की होली घटनाक्रम में भारी बदलाव लाने वाली है।

अमिताभ बच्चन की दूसरी होली- अमिताभ बच्चन की फिल्मों के होली गीत काफी अलग और घटना प्रवाह वाले होते है। शोले के गीत में जहां हिंसक भागदौड़ होती है, वही उनकी तीन दूसरी फिल्मों बागबान, मोहब्बतें और सिलसिला के होली गीत भिन्न दिखाई देते है। सिलसिला का रंग बरसे गीत अमिताभ के रेखा के प्रति प्रेम की पोल खोलने वाला है, वही बागबान का होरी खेले रघुवीरा गीत बच्चों के सामने पति का पत्नी के प्रति प्रेम की अभिव्यक्ति करने वाला है। गुरुकुल के कुलपति और संगीत अध्यापक का प्रेम के प्रति विपरीत दृष्टिकोण होली गीत सोणी सोणी के साथ बिखरता दिखाई देता है। जब संगीत अध्यापक कुलपति के माथे पर गुलाल का टीका लगते हुए, उनसे होली खेलने देने के लिए कहता है।

डर पैदा करने वाला गीत- डर में शाहरुख खान के चरित्र का एकतरफा प्रेम जूही चावला के चरित्र के दिल में डर पैदा करने वाला है। होली गीत अंग से अंग लगाना में भी ऊंचाइयां थाम लेता है। जब नाचते गाते सनी देओल और जूही चावला के बीच शाहरुख ढोल बजाते आ जाते है। फिल्म का लम्बा और हिंसक सीक्वेंस है।

■

टीवी

दलेर, रिचा और सलीम का स्वागत

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के कामेडी शो द कपिल शर्मा शो में म्यूजिकल सेंसेशन रिचा शर्मा, दलेर मेहंदी और मास्टर सलीम ने संगीत का तड़का लगाया। लीजेंडरी सिंगर स्वर्गीय लता मंगेशकर को ट्रिब्यूट दी गई। चंदन प्रभाकर, सुमोना और कृष्णा अभिषेक चंदू, भूरी और सपना के रोल में आए। सलीम और रिचा शर्मा 'किन्ना सोना तेनु रब ने बनाया', 'सजदा' और 'तू आजा दिल जानिए' जैसे गानों में आवाज घोली।

शार्ट फिल्म फिर रोमांचक शैली

ऐमजान मिनीटीवी की शार्ट फिल्म 'यात्री कृपया ध्यान दे' अभिनव सिंह द्वारा निर्देशित 16 मिनट की सस्पेंस थ्रिलर है। इसमें शाहीर शेख और श्वेता बासु प्रसाद ने अदाकारी की है। निर्देशक अभिनव ने कहा, मैंने हमेशा शार्ट फिल्मों के जरिए कहानियों को प्रस्तुत करने की कोशिश की है और मनोरंजन किया है। शाहीर शेख ने कहा, यह अच्छी कहानी वाली और बेहतरीन तरीके से परदे पर उतारी गई शार्ट फिल्म है। चुनौतीपूर्ण किरदारों को निभाने के लिए हमेशा आगे बढ़ाता रहा हूं।

सकारात्मकता और विश्वास का संदेश

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'मेरे साईं: श्रद्धा और सबुरी' में जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने के लिए ईश्वर पर विश्वास रखना जरूरी है। तुषार दल्वी कहते हैं, साईं का रोल निभाना बड़े सम्मान की बात है, जो सकारात्मकता, प्रेम और विश्वास की भावना जगाता मुझे लगता है कि इस तरह का रोल निभाना बड़ी उपलब्धि है, जो खास रिश्ता बनाता है।

हप्पू की उलटन पलटन ने मनाई अपनी वर्षगांठ

एण्डटीवी का 'हप्पू की उलटन पलटन' में दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी), उसकी दुल्हन राजेश (कामना पाठक) और जिद्दी मां कटोरी अम्मा (हिमानी शिवपुरी) ने 3 वर्ष पूरे कर लिए। पूरी टीम ने सेट पर केक भी काटा। योगेश त्रिपाठी ने कहा, मेरे लिए यह शो सफल यात्रा का जीवंत उदाहरण मैं कहूंगा कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त'। कामना पाठक ने कहा, अनुभव बेजोड़ है। राजेश मुझे बहुत प्यारी लगती है और उस दौरान मैं काफी मस्ती करती हूं।

नई अनिता भाबी

नई अनिता भाबी, विदिशा श्रीवास्तव माडर्न कालोनी में घर पर हैं। वह एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर है' में आने के लिए तैयार हैं। विदिशा ने कहा, 'मेरी खुशी का ठिकाना नहीं है। मैं अनिता भाबी के लिए चुनी गई तब से मेरा फोन लगातार बज ही रहा है। मेरे परिवार वाले भी बहुत प्रसन्न है। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि अनिता भाबी बनूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण किरदार है और मैं बहुत खुश हूं।

श्रिया पिलगांवकर रंगमंच पर लौटी

श्रिया पिलगांवकर कोरोना वायरस महामारी के बाद रंगमंच पर लौटी है। मिर्जापुर में अपने दमदार अभिनय के बाद यह अभिनेत्री सह-अभिनेता शिखा तलसानिया, हुसैन दलाल और प्रियांशु पेन्युली के साथ पृथ्वी थिएटर में 'इंटरनल अफेयर्स' शो के लिए रिहर्सल करते हुए दिखाई दी। श्रेया का कहना है, मुझे बेहद खुशी है कि दो साल बाद मैं रंगमंच पर वापस आई। यहां प्रदर्शन करना बहुत ही कमाल का अनुभव है और मुझे बहुत प्यार मिला।

अनुज सचदेवा के लिए प्रेरणा

स्टार भारत ब्रोमांस यानी तीन भाइयों की जीवन यात्रा से जुड़ी कहानी है। टीवी पर लम्बे समय बाद लौटे अनुज सचदेवा शो में बड़े भाई चिरंजीवी का किरदार निभा रहे है। अनुज बताते है, चिरंजीवी फैमिली से बहुत जुड़ा है। अपने परिवार के रीढ़ की हड्डी है, जिसने सभी को जोड़कर रखा है। मैं इसे अपने ही परिवार से जोड़कर देख रहा हूं। मेरी बहन के दो बच्चे हैं। भांजा और भांजी, लगभग 18 से 20 साल के है। मेरी उनके साथ जो बातचीत और व्यवहार है, वह दोस्त की तरह रहा है। हम प्लेस्टेशन साथ खेलते है और साथ खूब मस्ती करते हैं मैं उनका दोस्त हूं।

'प्यार वाली होली'

फिक्शन शो 'कुमकुम भाग्य' अपने घर पर होली मनाने को तैयार है। इसमें मस्ती और बहुत-सा नाच गाना होगा। इसका स्पेशल एपिसोड प्यार वाली होली सेलिब्रेशन आज शाम 6:30 बजे जीटीवी पर प्रसारित किया जाएगा। कृष्णा कौल, मुग्धा चापेकर, रोहित सुचंती, ऐश्वर्या खरे, धीरज धूपर और श्रद्धा आर्य के साथ-साथ शोएब इब्राहिम, मेघा रे, करण वाही, अदा खान, कनिका मान, वृषिका मेहता, मनित जौरा, निशांत सिंह मलकानी, दीपिका सिंह, अमन गांधी और कुशाग्र नौटियाल जैसे टेलीविजन सितारों की परफार्मेंस देखने को मिलेगी।

पत्नियों और मांओं को सराहना नहीं मिलती : सुष्मिता

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का ड्रामा 'जगन्नाथ और पूर्वी की दोस्ती अनोखी' में जगन्नाथ मिश्रा की पत्नी कुसुम का किरदार निभा रही हैं सुष्मिता मुखर्जी। वह बताती है, गृहिणियां हमेशा घर की रीढ़ रही है। वे समाज की रीढ़ भी बन जाती है। वे उस व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाती है, जिसे 'परिवार' कहा जाता है। पहले माना जाता था कि महिलाएं व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच संतुलन नहीं बना सकती। काम करने वाली महिलाओं को नीची नजर से देखा जाता था। अब थोड़ा बदलाव आया है।

इंडियाज गाट टैलेंट में होली स्पेशल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का टैलेंट रियलिटी शो, इंडियाज गाट टैलेंट गोविंदा और करिश्मा कपूर का स्वागत किया। करिश्मा ने इशिता विश्वकर्मा को कुकबुक गिफ्ट करने के साथ-साथ 'यूपी वाला ठुमका' पर परफार्म भी किया। ढिंका चिका', ऊऊ अंटावा, श्रीवल्ली, सीटी मार जैसे हिट गानों पर परफार्म किया।

क्यों बोले सुरेश वाडकर, आपने मुझसे बेहतर गाया

जी टीवी के भक्ति-गायन रियलिटी शो 'स्वर्ण स्वर भारत' दोहों और भक्ति संगीत के माध्यम से जड़ों से जोड़ता है। दिल्ली के दिवाकर शर्मा सुरेश ने वाडकर के सामने उन्ही का गाया गीत 'राम तेरी गंगा मैली' प्रस्तुत करके सभी का दिल मोह लिया। सुरेश वाडकर ने कहा, मैंने आपके बचपन से ही आपकी आवाज पर ध्यान दिया और उसे सुना है। आज आपने ये गाना मुझसे बेहतर गाया। आप अपने अंदर से संगीत का रियाज करते हैं। जब आप गाते हैं तो संगीत के प्रति आपका समर्पण सामने आता है।

शादी से पहले महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' की लीड एक्टर्स दिशा परमार और नकुल मेहता, प्रिया और राम के रोल में हैं। दिशा कहती हैं, खराब परिस्थिति में यदि महिला इस रिश्ते को तोड़ना या उसमें बने रहना भी चाहे तो इसका फैसला उसके ना कमाने पर निर्भर नही होना चाहिए। इसलिए आर्थिक स्वतंत्रता बहुत जरूरी है, खासतौर पर शादीशुदा महिलाओं के लिए।

लोगों को काम से डराओ बातों से नहीं- रोनित राय

'कसौटी जिंदगी की', 'अदालत', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', वेब सीरीज 'होस्टेज' जैसे नामी शोज से रोनित राय को। रोनित कलर्स चैनल पर नए शो 'स्वरण घर' से दोबारा टीवी पर वापसी की है। पेश है रोनित राय से लक्ष्मी भारती की खास बात-

इस शो में आपका किरदार क्या है?

मुझे इस शो मे अपना किरदार समझना बहुत मुश्किल है। संक्षेप में कहूं तो मै पति, पिता और रिटायर्ड बिजनेसमैन हूं, जिसका नाम कवलजीत है। इस किरदार की जो भावनाएं है, उसे कुछ शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। वह खुशमिजाज बंदा है। शेरो-शायरी करता है। अपनी बीवी और बच्चों से बहुत प्यार करता है। ऐसे में हालात महत्व नहीं रखते बल्कि उस दौरान जो रिएक्शन होता है, वह अहम होता है। इसलिए मुझे लगता है कि हालात तो वही है। बच्चे बाहर चले गए है। अब मियां-बीवी ही साथ होते है और घर में लड़ाई चल रही है। उसके अलावा भी घर में एक समस्या और है। मेरा किरदार हालातों को देखते नहीं बनता बल्कि रिऐक्शन से पैदा होता है।

अच्छा पिता बनना कितना मुश्किल है?

यह बहुत ही मुश्किल भरा समय होता है। मेरे घर पर दो बच्चे है। मेरी बेटी दो साल में कालेज जाने वाली है। तीन-चार साल में बेटा भी जाएगा। ऐसे में हम लोग तो अभी से डर रहे है। खास तौर पर मुझे और मेरे पत्नी को तो शुरू से बच्चों के साथ रहने की बहुत आदत है। वे जब से पैदा हुए है, हम लोग बच्चों को घर छोड़कर कहीं नही गए। जहां भी जाते है, पूरा परिवार ही साथ जाता है लेकिन हमें पता है कि वह समय हमारी जिंदगी में आएगा, जब बच्चे पढ़ने के लिए जाएंगे। फिर आना-जाना लगा रहेगा।

क्या कभी लक्ष्य या ड्रीम को लेकर आपकी बच्चों के साथ कोई बहस या अनबन हुई?

नहीं, अभी तक ऐसा पल नहीं आया। शायद ऐसा पल कभी आए भी न। व्यक्तिगत रूप से मैं भी अपने बच्चों पर कुछ नहीं थोपता हूं। उनको जो बनना है वही बनें। मेरे लिए यही खुशी की बात होगी। मैं अपने बच्चों को देख रहा हूं, शायद वे फिल्मों में न आएं। क्योंकि अभी तक वे किसी दूसरी राह पर जा रहे है और मैं उन्हें कभी नहीं रोकूंगा।

माता-पिता और बच्चों के बीच दूरी बढ़ने का कारण क्या है?

मैंने जो कहानियां सुनी है, उसको देखते हुए मुझे ऐसा लगता है कि इसके पीछे कई कारण होते है। कभी बच्चे बाहर निकल जाते है। पढ़ने जाते है, वहीं बस जाते है। उनकी बीवी, बच्चे, उनकी जिंदगी, उनकी समस्या अलग हो जाती है। यह जिंदगी का चक्र हो जाता है। उस समय के चक्र में कोई कैसा निकलता है, यह कहना मुश्किल है।

सोशल मीडिया पर आप कम नजर आते हैं?

मेरे पिताजी ने मुझे सिखाया था कि लोगों को काम से डराओ बातों से नही। मुझे जब कुछ कहने को होता है तो बात कर लेते है। जब बात करने को ही कुछ नहीं है तो बेवजह क्या करें।

■

कांग्रेस नेता सुनील जाखड़ की कांग्रेस हाईकमान को सलाह, पीएम मोदी से सीखें

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शर्मनाक हार के बाद पार्टी में हाईकमान के खिलाफ आवाज उठने लगी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने देरी से फैसले लेने के लिए शीर्ष नेतृत्व को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा, पार्टी हाईकमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सीख लेनी चाहिए। उनकी मजबूती क्या है, इस देखना चाहिए। उत्तरप्रदेश के नतीजे आए और अगले ही दिन मोदी गुजरात में डट गए। सरपंचों से बातचीत की। हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते। जाखड़ ने कहा, 80 प्रतिशत पंचायतें हमारे पास हैं। नगर परिषदें हमारे पास हैं। कांग्रेस को खुलकर लड़ने में क्या परेशानी है। हमें संगरूर लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आज से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। जनादेश हमारे सामने है। जो हो चुका है, उस भुलाकर लोगों के बीच जाएं और आगे की सुध लें। प्रदेश अध्यक्ष नवजोत

सिंह सिद्धू पर उन्होंने कहा कि उनके बारे में जो भी फैसला लेना है, वह हाईकमान को ही लेना है। उन्हें रखना है या नहीं रखना है, इस पर जल्द फैसला लिया जाए। लटकाया न की जाए। पहले ही देर से फैसले लेने के कारण बहुत नुकसान हो नुकसान हो चुका है। पार्टी अध्यक्ष व नेता विपक्ष पर जल्द निर्णय हो। उन्होंने कहा कि इस समय एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने के बजाय कार्यकताओं की बांह पकड़ना जरूरी है। कांग्रेस को आज ही अपनी रणनीति बनाकर संगरूर में डट जाना चाहिए। जाखड़ ने कहा कि आप को पंजाब के लोगों ने भारी समर्थन देकर सरकार बनाने का मौका दिया है। लेकिन, यह देखने वाली बात होगी कि वह अपने वादों पर कितना खरी उतरती है। इसके बाद लोग विपक्षी पार्टी को देखने वाले है। जाखड़ ने कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाने के हाईकमान के फैसले पर कहा कि चुनाव से ठीक पहले ऐसा फैसला लिया गया। अगर हटाना ही था तब साल भर पहले हटाते, ताकि कुछ काम नजर आता।

जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने भारत को 20 अरब डॉलर के सालाना निवेश की जरूरत

नई दिल्ली। ग्लोबल वार्मिंग के समाधान के लिए भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और हरित बदलाव के लिए हर साल 20 अरब डॉलर (करीब 1.53 लाख करोड़ रुपए) के निवेश की जरूरत है। फिक्की और ट्राइलीगल के श्वेत पत्र में यह बात कही गई। श्वेत पत्र के मुताबिक इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को बड़े बजट आवंटन, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्त्रोतों से अंतरराष्ट्रीय वित्त और हरित निजी निवेश की जरूरत है। रिपोर्ट में भारत के जलवायु रूपांतरण में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए बिजली क्षेत्र में सुधारों पर भी प्रकाश डाला गया। रिपोर्ट में कहा गया, भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और हरित बदलाव के लिए हर साल 20 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है।

बिजनौर : बुर्का ओढ़कर युवक कॉलेज के बाहर छात्राओं से कर रहा था छेड़खानी, लोगों ने पुलिस के हवाले किया

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के नजीबाबाद में कॉलेज के बाहर बुर्का ओढ़कर एक युवक छात्राओं के साथ छेड़खानी की शर्मनाक हरकत कर रहा था। लोगों ने इस युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस वाले भी काफी देर तक बुर्का पहनने के कारण एक युवक को युवती समझते रहे। इसके बाद उसकी पुरुषों जैसी आवाज सुनी तो बुर्का उतारा गया। तब जाकर पता लगा कि बुर्के में तो युवक है।

बिजनौर पुलिस के अनुसार, पकड़ा गया युवक नजीबाबाद के मोहल्ला पठानपुरा का रहने वाला सुहेल है, जो पिछले 3 दिन से बुर्का, नकाब पहनकर लगातार लड़कियों से छेड़छाड़ कर रहा था। शनिवार को भी बस में उसने युवतियों के साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद कुछ लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। पकड़े जाने के दौरान काफी देर तक पुलिस भी बुर्का पहने युवक को युवती ही समझती रही। इसलिए मौके पर महिला पुलिस को बुलाना पड़ा, लेकिन जब चौकी में उससे पूछताछ की गई तो उसकी आवाज पुरुषों वाली थी। इसके बाद स्पष्ट हो सका कि वह लड़की नहीं, बल्कि बुर्का पहने हुए लड़का है।

इस मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने जब उससे बुर्का उतारने को कहा तो वह तैयार नहीं हुआ। बाद में पुलिस ने जबरन उसका बुर्का उतारा। यह युवक बुर्का पहनकर बीते कई दिनों से छेड़छाड़ की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस अधीक्षक बिजनौर डॉ. धर्मवीर सिंह ने कहा कि पुलिस ने फिलहाल आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है और थाने में उससे पूछताछ की जा रही है। वह बुर्का पहनकर इस तरह की घटना को क्यों अंजाम दे रहा था या इसके पीछे उसका क्या मकसद है।

शराब के लिए 100 रुपये न देने पर शुरू हुआ झगड़ा फिर युवक को कैंची मारकर मौत के घाट उतारा

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के मोदीनगर के गांव बेगमाबाद में शुक्रवार रात को गले में कैंची घोपकर हुई महेंद्र की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने शराब पीने के लिए महज 100 रुपये ना देने पर महेंद्र की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में इस्तेमाल की गई कैंची बरामद कर ली है। थाना प्रभारी अनिता चौहान ने बताया कि गांव बेगमाबाद में पीर वाली कॉलोनी में 45 वर्षीय महेन्द्र पुत्र कालुराम अपनी पत्नी सविता देवी, बेटे सागर, अमन और दर्पण के साथ रहते थे। वह मजदूरी करके परिवार का लालन पालन करते थे। शुक्रवार रात को खाना खाने के बाद महेंद्र अपने घर के सामने वाली सड़क पर टहल रहे थे। इसी बीच गांव का ही रहने वाला शिवा पुत्र राधेश्याम शराब पीकर जा रहा था। उन्होंने बताया कि शिवा ने और शराब पीने के लिए सड़क पर टहल रहे महेंद्र से 100 रुपये मांगे। महेंद्र द्वारा इनकार करने पर शिव उन्हें गंदी-गंदी गाली देने लगा। इस बात को लेकर दोनों के बीच मारपीट हो गई। महेंद्र ने शिवा के दो-तीन थप्पड़ मार दिए। इसी बीच शिवा मौके से भाग गया और अपने हाथ में कैंची लेकर वापस आ गया। आते ही उसने महेंद्र के गले में कैंची से वार कर दिए। कैंची मारकर शिवा मौके से फरार हो गया। परिजन महेंद्र को पहले स्थानीय अस्पताल ले गए, लेकिन हालत गंभीर होने पर मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। मेरठ के अस्पताल में पहुंचने पर डॉक्टरों ने महेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

आसनसोल सीट पर टीएमसी के प्रत्याशी बने बिहारी बाबू शत्रुघन सिन्हा

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने प्रसिद्ध फिल्म स्टार व पूर्व भाजपा नेता शत्रुघन सिन्हा बंगाल के आसनसोल लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी का उम्मीदवार बनाया है। वहीं, हाल में भाजपा को छोड़कर टीएमसी में शामिल होने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो कोलकाता की बालीगंज विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार बनाए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोनों नेताओं को इन सीटों से उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है।

बता दें कि आसनसोल संसदीय सीट और बालीगंज विधानसभा सीट पर 12 अप्रैल को उपचुनाव होगा, जबकि 16 अप्रैल को नतीजे जारी किए जाएंगे। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव आयोग ने एक दिन पहले शनिवार को ही उपचुनाव की तारीख का एलान किया है। पिछले साल बाबुल सुप्रियो ने तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद अपनी लोकसभा सीट आसनसोल से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्हीं के इस्तीफे के बाद खाली हो चुकी सीट पर होने जा रहे उपचुनाव में ममता ने शत्रुघन सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है। बता दें

कि बाबुल सुप्रियो साल 2014 और 2019 में लगातार दो बार आसनसोल लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए थे। 2019 में बाबुल सुप्रियो ने टीएमसी की उम्मीदवार मुनमुन सेन को 1,97,637 वोटों से हराया था। पिछले साल बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा के कई बड़े नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था?। वहीं, केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाने के बाद बाबुल सुप्रियो ने भी तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम कर सांसद पद से भी इस्तीफा दे दिया था। इधर, ममता ने ट्वीट किया, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की ओर से यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, कि आसनसोल से लोकसभा उपचुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रसिद्ध अभिनेता शत्रुघन सिन्हा हमारे उम्मीदवार बने हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रसिद्ध गायक बाबुल सुप्रियो, बालीगंज से विधानसभा उपचुनाव में हमारे उम्मीदवार हैं, जय हिंद, जय बांग्ला, जय मां- माटी- मानुष। इधर, ममता ने पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के ठीक बाद केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि (इपीएफ) पर ब्याज दरों में कटौती के फैसले को लेकर केंद्र पर रविवार को करारा हमला बोला।

जाम से निजात के लिए ट्रैफिक व्यवस्था में हौ सकता है बदलाव

मुजफ्फरपुर। शहर को जाम से निजात देने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था में आने वाले दिनों में बदलाव किया जा सकता है। शहर से बाहर निकलने वाले मार्ग में यातायात को दुरुस्त करने पर ध्यान दिया जाएगा। ऐसा इसलिए कि शहर से बाहर निकलने वाली सड़कों पर ही वाहनों का दबाव अधिक रहता है। यहां यातायात बेहतर होने से शहर में जाम पर नियंत्रण किया जा सकता है। प्रमंडलीय आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने पिछले दिनों इसके लिए डीएम प्रणव कुमार, नगर आयुक्त विवेक रंजन मैत्रेय समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ जाम को लेकर विमर्श किया। इसके आधार पर रणनीति तैयार की जा रही है।

शहर की दो सड़कों में से आमगोला से कच्ची पक्की तक करीब डेढ़ किमी सड़क की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। बरौनी और पटना से आने वाले वाहनों का यहां दबाव अधिक रहता है। इसके अलावा मिठनपुरा से अघोरिया बाजार रोड का एनएच-28 तक चौड़ीकरण किया जाएगा। चंदवारा पुल से आवागमन को एक माह में चालू कराने की बात कही गई है। यहां एप्रोच रोड का निर्माण शीघ्र पूरा करने को कहा गया है। बूढ़ी गंडक पर बने अखाड़ाघाट व दादर घाट पुल के किनारे से यातायात को सुगम बनाया जाएगा। इसके लिए अखाड़ा घाट से दादर घाट तक बांध को चौड़ा किया जाएगा। इसके अलावा चंदवारा से अखाड़ाघाट पुल के दक्षिण होते हुए सिकंदरपुर मन से दादर पुल होते हुए पुलिस लाइन तक सड़क का चौड़ीकरण होगा।

अभिनेत्री सोनम कपूर के ससुर के साथ 27 करोड़ रुपए की साइबर ठगी में बड़ा खुलासा

फरीदाबाद। बॉलीवुड अदाकारा सोनम कपूर के ससुर हरीश अहूजा की कंपनी 'शाही एक्सपोर्ट' से करोड़ों की ठगी के मामले में फरीदाबाद पुलिस की साइबर टीम पड़ताल में लगी है। अभी तक की जांच में पता चला है कि देश की नामचीन करीब 15 कंपनियां इन साइबर ठगों के निशाने पर थीं, इनमें से करीब चार कंपनियों से फर्जी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) के माध्यम से करोड़ों रुपए की ठगी कर चुके थे। साइबर थाना प्रभारी बसंत ने बताया कि इस मामले में सभी मुख्य आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इसके बावजूद मामले की छानबीन जारी है। इसमें अभी और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। इसकी जांच की जा रही है। साइबर थाना पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि इन कंपनियों की डिटेल खंगाली जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त संतोष ने पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे किए। वह आपराध की दुनिया बसाना चाहता था।

एक साथ दो चुनावों की घोषणा के बाद बिहार का सियासी पारा चढ़ा

मुजफ्फरपुर। बिहार का राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ रहा है। एक साथ दो चुनावों की घोषणा होने के बाद यह स्वाभाविक भी माना जा रहा है। वैसे भी यह अपेक्षा थी कि यूपी विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद यहां का सियासी माहौल गरम होगा, लेकिन बिहार एमएलसी चुनाव व उसके बाद बोचहां विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के बाद तो सियासी पारा तेजी से ऊपर चढ़ गया। आरोप व प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। वहीं सभी दल के नेताओं ने अपने अपने प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार राजद की ओर से पहल की जा रही है। राजद नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के मुजफ्फरपुर आने की सूचना से उत्साहित एक विधायक ने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के एमएलसी प्रत्याशी पर करारा हमला किया है। डरपोक तक कह दिया है।

तेजस्वी यादव अपने एमएलसी प्रत्याशी शंभू सिंह के नामांकन के समय खुद मुजफ्फरपुर में मौजूद रहेंगे। इसकी घोषणा राजद की ओर से एमएलसी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करते वक्त ही कर दिया गया था। अब कार्यक्रम निश्चित हो जाने के बाद राजद कार्यकताओं में काफी उत्साह दिख रहा है। सभास्थल पर खूब तैयारियां चल रही हैं। पूरे इलाके को हरे रंग से पाटने की तैयारी की जा रही है। वहीं जिले के राजद नेता इस तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। कोई कमी न रहे, इसका ख्याल रख रहे हैं। इसी क्रम में तैयारियों का जाजया लेने पहुंच राजद विधायक मुन्ना यादव ने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के एमएलसी प्रत्याशी दिनेश सिंह पर करारा हमला बोला है। उन्होंने दिनेश सिंह को डरपोक करार दिया। दिनेश सिंह से एक करोड़ की रंगदारी मांगे जाने के मामले को उन्होंने पूरी तरह से राजनीतिक स्टंट कहा है। बोले, दिनेश सिंह अभी तक बिना मुकाबला चुनाव जीतते आ रहे हैं। इस बार उनके सामने कोई कद?दावर उम्मीदवार खड़ा हुआ है तो वे डर गए हैं। विधायक मुन्ना यादव ने दावा किया कि मुजफ्फरपुर के करीब 80 फीसद से अधिक स्थानीय प्राधिकार के प्रतिनिधि राजद के साथ हैं। इस अपार जनमत को देखते हुए दिनेश सिंह डरे हुए हैं और वे तरह-तरह के बहाने बना रहे हैं। इधर-उधर भाग रहे हैं। सहानुभूति अर्जित करना चाह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव करीब आते-आते दिनेश सिंह और हथकंडे अपनाएंगे। इस बार बराबरी का मुकाबला है। हमारे प्रत्याशी को व्यापक समर्थन मिल रहा है। यही वजह है कि शंभू सिंह के नामांकन के समय खुद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहुंच रहे हैं। वे कल कार्यक्रम में शामिल होकर पंचायत प्रतिनिधियों से अपने प्रत्याशी के लिए समर्थन की मांग करेंगे।

यूपी से दिल्ली आए शायर मुन्नवर राना, एम्स में उपचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी की शानदार जीत के बाद राज्य छोड़ने की बात करने वाले मशहूर शायर मुनव्वर राणा दिल्ली आ गए हैं। खास बात यह है कि मुनव्वर राणा के साथ उनका परिवार भी दिल्ली आ गया है। दरअसल, मुनव्वर राणा किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं, वह इलाज के लिए दिल्ली आए हैं। राणा को मूत्र नली में संक्रमण की स्थिति गंभीर होने के बाद दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही मुनव्वर राना गले के कैंसर से भी पीड़ित हैं। महज कुछ दिनों पहले ही मुनव्वर राणा को एम्स से छुट्टी मिली थी। शायर मुनव्वर राणा 30 मार्च को दिल्ली के एम्स में भर्ती हुए थे। इससे पहले करीब 20 दिन लखनऊ के पीजीआई और 10 दिन लखनऊ मेदांता में भर्ती थे। ठीक न हो पाने पर एम्स आए थे। हालांकि कुछ दिनों के इलाज के बाद राना को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। बता दें कि यूपी चुनाव का बिगुल बजते ही शायर मुनव्वर राना ने कहा था, योगी दुबारा मुख्यमंत्री बने, तब यूपी छोड़ दूंगा।

दंपती की सलामती के लिए कप्तान के सामने गिड़गिड़ाई थी रूमा

बिजनौर। दोहरे हत्याकांड की मास्टरमाइंड रूमा दंपती की सलामती के लिए कप्तान के सामने गिड़गिड़ाई थी। उसने पुलिस से दोनों को सुरक्षित बरामद करने की गुहार भी लगाई थी। प्रेमी मुकेश के साथ वह थाने भी गई थी। मीडिया के सामने दंपती के सही सलामत होने की दुआ करती रही। हत्याकांड से राजफाश हुआ तो रूमा असली चरित्र सामने आया।

लापता होने के बाद बबीता की मां शीला देवी ने बात करने के लिए उनका मोबाइल नंबर मिलाया। बबीता का नंबर बंद आया। इस पर उसने अपने बेटे मनोज को खबर दी। मनोज ने बिजनौर आकर जानकारी ली। रूमा से बातचीत की। रूमा और मुकेश उसे जल्द ही ढूंढने का आश्वासन देते रहे। वहीं बताया कि मकान की चाबी देकर दंपती नीलकंठ गए हैं। जब सपा नेत्री प्रभा चौधरी, उसका भाई मनोज और रूमा एसपी से मिले। रूमा ने एसपी के सामने उन्हें बरामद करने की मांग करने लगी। गुहार लगाते हुए दंपती को परिवार का सदस्य बताया। क्योंकि चार दिन से वही ब्यूटी पार्लर देख रही थी। मीडिया से बात करते हुए आंसू भरकर दंपती के सही सलामत होने की दुआ करती रही। इतना नहीं पुलिस से जल्द ही दंपती से बरामद करने की गुहार भी लगाई। जांच की गई तो परत दर परत गुत्थी सुलझती गई। शुक्रवार को सपा प्रतिनिधिमंडल और राजेश के करीबियों ने रूमा पर शक जताया। चार दिन पूर्व से रूमा ने ब्यूटी पार्लर पर अपना हक जताना शुरू कर दिया था। रोजाना पार्लर खोलने लगी थी। इतना ही नहीं उस पर काम करने वाली लड़कियों को सेलरी भी देने लगी थी। चर्चा शुरू कर दी थी कि राजेश ने अपनी संपत्ति की वसीयत उसकी बेटी के नाम कर दी है। पुलिस पूछताछ करती तो रूमा और मुकेश बचने लगते थे। राजेश का सिम एक बार रूमा के बेटे के मोबाइल में एक्टीवेट हुआ था, जिसकी लोकेशन हल्द्वानी में मिली थी। इस पर पुलिस का शक गहरा गया। राजेश ने शिवलोक में लोन पर मकान लिया था। उसका गारंटर मुकेश था।

केरल का रहने वाला 24 साल का युवक अफगानिस्तान में फिदायीन हमले में मारा गया

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता आने के बाद इस्लामिक स्टेट खुरासान लगातार बड़े हमलों के द्वारा अपनी मौजूदगी दिखा रहा है। साथ ही साथ वॉइस ऑफ खुरासान नाम की प्रोपगैंडा मैगजीन जारी करके अपने एजेंडे के बारे में दुनिया को बता रहा है। आईएसकेपी ने मैगजीन के दूसरे संस्करण में दावा किया है, कि भारत के केरल का रहने वाला 24 साल का लड़का अफगानिस्तान में फिदायीन हमले में मारा गया है। मैगजीन में दावा किया गया है, कि नजीब अल हिंदी नाम का नौजवान एम-टेक की डिग्री हासिल कर चुका था और केरल से हिजरा करने अफगानिस्तान के खुरासान प्रोवेंस में पहुंचा था। हालांकि मैगजीन में नजीब के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। न ही ये बताया गया है कि वह किन हालातों के बीच मरा है या उसकी मौत किस समय हुई। मैगजीन के मुताबिक नजीब अल हिंदी आईएसकेपी के मुजाहिद्दीनों के बीच रहता था।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 17356 मामलों का हुआ निस्तारण

मऊ। शनिवार को जनपद न्यायालय के प्रांगण में जनपद न्यायाधीश रामेश्वर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में 17356 मामलो का निस्तारण किया गया। सर्व प्रथम जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रामेश्वर द्वारा जनपद न्यायालय मऊ के सभागार में मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। जनपद न्यायाधीश रामेश्वर द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि आज राष्ट्रीय लोक अदालत है, जिसमें पक्षकारो के मध्य सुलह समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जायेगा। धारा 138 निगोसिएबुल इन्स्ट्रूमेन्ट एक्ट के तहत मुकदमें, लेबर इम्पलाईमेन्ट एवं टेलीफोन इत्यादि से सम्बांति बकायेदारों के मामले, मोटर दुर्घटना से सम्बंधित पक्षकारों के मामले, परिवार न्यायालय में पति पत्नी के मध्य सुलह समझौते के आधार निस्तारित वादों का निस्तारण किया जायेगा। इसके अलावा पक्षकारों के मध्य जो मामले कम्पाउण्डेबुल आफेंसेस के हैं एवं पेटी आफेंसेस के है, एवं चालान से सम्बंधित मामले हैं, सभी का निस्तारण किया जायेगा।

जनपद न्यायाधीश ने यह भी कहा कि लोक अदालत में पक्षकारों को अपने अधिक से अधिक मामलों को लगवाकर निस्तारण कराकर इसका लाभ उठाना चाहिए। लोक अदालत में मामले के निस्तारण से आपस में प्रेम भाव पक्षकारों के मध्य बना रहता हैं तथा आगे का झगड़ा भी नहीं रहता है। सभागार में आदिल आफताब अहमद, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, मऊ, सुरेन्द्र प्रसाद यादव, पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, मऊ, बुद्धिसागर मिश्र, अपर जनपद न्यायाधीश, कोर्ट नं0-1, मऊ/नोडल अधिकारी, लोक अदालत, अभिनव कुमार मिश्रा, विशेष न्यायाधीश, एससीएसटी मऊ, शबीह जेहरा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पाक्सो कोर्ट नं0 प्रथम, दिनेश कुमार चैरसिया अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0-3, रामराज अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, एफटीसी प्रथम, आसिफ इकबाल रिज्वी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, एफटीसी - द्वितीय, फर्रुख इनाम सिद्दीकी मुख्य न्यायिक मजिस्टेज्ट, प्रीति भूषण सिविल जज, सीडि/एफटीसी, कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, वकील, सिविल जज जूनियर डिवीजन सदर, अमित मणि त्रिपाठी, सिविल जज जूनियर डिवीजन, मोहम्मदाबाद गोहना, उत्कर्ष सिंह, अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट नं0-3,, अभिषेक कुमार पाण्डेय सिविल जज जूनियर डिवीजन,/एफटीसी, शिप्रा सिंह अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट नं0-6, अलका नेहाल न्यायिक मजिस्टेज्ट, संतोष कुमार वर्मा सिविल जज जूनियर डिवीजन/एफटीसी/महिला उत्पीड़न, शैलेश कुमार सिंह अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट नं0-4, एवं अमित कुमार यादव, अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट नं0-5, शैलेष कुमार सिंह, सिविल जज जूनियर डिवीजन, एफटीसी मऊ उपस्थित हुए।

सातवीं पुण्य तिथि पर स्मृति समारोह का हुआ आयोजन

सूरजपुर, मऊ। स्थानीय बाजार में स्थित गौतम पब्लिक स्कूल इब्राहिमाबाद सूरजपुर पर विभूति नारायण इण्टर कालेज सूरजपुर के संस्थापक प्रधानाचार्य सूर्यदेव राय की सातवीं पुण्य तिथि व स्मृति समारोह का आयोजन शुक्रवार की देर शाम गायत्री परिवार के महेन्द्र राय के निर्देशन में गंगाधर राय, रामप्रसाद सिंह, द्वारा वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन व दीपयज्ञ के साथ प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश अखिलेश सिंह व विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विभाग प्रमुख बलिया अजय कुमार राय ने मां सरस्वती जी गायत्री जी व स्वर्गीय सूर्यदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित करके व द्वीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत पश्चात 151 दीपक जलाकर कर दीपयज्ञ हुआ। देवरिया के आलोक कुमार तथा विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थित जन समूह को मंत्र मुग्ध कर दिया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

प्रदेश मंत्री व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश अखिलेश सिंह, बौद्धिक प्रमुख अजय कुमार राय, पूर्व प्रवक्ता रामप्रसाद सिंह, महेन्द्र राय, पतिराम, पूर्व प्रधानाचार्य बैजनाथ राय जमुना प्रसाद व विद्यालय के शिक्षक को विमलेश राय एडवोकेट हाईकोर्ट द्वारा अंगवस्त्रमं व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबन्धक राकेश कुमार राय ऊर्फ बन्धु द्वारा सभी को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया ।वहीं डॉ शैलजा राय प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय की शिक्षिकाओं व दर्जनों महिलाओं को भी अंग वस्त्र वितरण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वर्गीय राय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जयराम राय, प्रमोद सिंह, रामविलास चैबे, धर्म शंकर राय, सुबाष, सनातन प्रसाद नारायण सिंह, शिवानंद पाण्डेय उपस्थित रहे। हियुवा के जिला मंत्री अजय राय व विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार राय समारोह में सहभागी लोगों क प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरविंद राय ने की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जितेंद्र राय, आशुतोष राय, पूर्व प्रधान सुरेश कन्नौजिया, प्रभाकर उपाध्याय, रामबली यादव, पंकज तिवारी, शशिचन्द विश्वकर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

मंधाना व हरमनप्रीत से हारी विंडीज टीम

दोनों ने जड़े शानदार शतक, विंडीज को 155 रन से हराकर विश्वकप अंक तालिका में शीर्ष पर भारत

स्मृति मंधाना 123 रन और हरमनप्रीत कौर 109 रन के शानदार शतक की बदौलत चौथे विकेट के लिए भारत की ओर से विश्व कप में रिकॉर्ड 184 रन की साझेदारी की।

हैमिल्टन (एजेंसी)। स्मृति मंधाना (123) और हरमनप्रीत कौर (109) के शानदार शतक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने विश्वकप के एक मुकाबले में वेस्टइंडीज को 155 रन से रौंदकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। भारतीय बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों ने भी शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया।

इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ विश्वकप में लगातार सातवीं जीत दर्ज की है। भारत की महिला विश्व कप में यह दूसरी जीत हैं। इससे पहले भारत ने पाक को हराया था। गत उप विजेता भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी की और अनुभवी बल्लेबाजों स्मृति और हरमनप्रीत के शानदार शतकों के दम पर 50 ओवर में आठ विकेट पर 317 रन का विशाल स्कोर बनाया। बाद में भारतीय गेंदबाजों ने घातक गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को 40.3 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट कर दिया। वेस्टइंडीज को हालांकि अच्छी शुरुआत मिली। उसका पहला विकेट 100 के स्कोर पर गिरा, लेकिन फिर भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की और 62 रनों के अंदर पूरी विंडीज टीम को ढेर कर दिया और मुकाबला जीत लिया। भारत की तरफ से स्नेह राणा ने सर्वाधिक तीन और मेघना सिंह ने दो विकेट लिए। इसके अलावा झूलन, राजेश्वरी और वस्त्राकर को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले बल्लेबाजी में स्मृति और हरमनप्रीत ने शतक जड़े। स्मृति ने जहां 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 119 गेंदों पर 123 रन बनाए, वहीं हरमनप्रीत ने 10 चौकों और दो छक्कों के सहारे 107 गेंदों पर 109 रन की शतकीय पारी खेली। उधर वेस्टइंडीज की टीम गेंदबाजी में ज्यादा कुछ न कर पाने के बाद गेंदबाजी में भी फीकी दिखी। बल्लेबाजी में केवल सलामी बल्लेबाजों डिएंड्रा डॉटिन और हेले मैथ्यूज का बल्ला चला। दोनों ने पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। डिएंड्रा ने 46 गेंदों पर 62 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि हेले ने 43 रन बनाए। इसके अलावा किसी भी बल्लेबाज ने कोई योगदान नहीं दिया। गेंदबाजी में अनीसा मोहम्मद ने सर्वाधिक दो विकेट लिए।

महिला विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं झूलन गोस्वामी

भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी महिला वनडे विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई। झूलन ने 40 विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया की लिन फुलस्टन (39 विकेट) के 34 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा है। 39 वर्षीय झूलन ने यहां शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2022 महिला विश्व कप मैच में यह कीर्तिमान हासिल किया। उन्होंने वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद का विकेट लेने के साथ ही महिला विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उल्लेखनीय है कि महिला विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पांच गेंदबाजों में इंग्लैंड की कैरोल होजेस (37 विकेट), क्लेयर टेलर (36 विकेट) और ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक (33 विकेट) शामिल हैं।

महिला विश्व कप में सर्वाधिक मैचों में कप्तानी करने वाली खिलाड़ी बनी मिताली राज

भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान पर उतरते ही महिला विश्व कप में सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। बेलिंडा क्लार्क ने 23 मैचों में कप्तानी की थी। मिताली आज महिला विश्व कप में 24वीं बार बतौर कप्तान मैदान में उतरी हैं। इससे पहले उनकी कप्तानी में 23 मैचों में भारत ने 14 जीते हैं और आठ मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा। भारत को अगर विश्व कप जीतना है तो मिताली को भी बड़ी पारी खेलनी होगी।

स्कोर बोर्ड

भारत महिला पारी	रन	गेंद	4	6
स्मृति मंधाना कै. शकेरा बो. कॉनेल	123	119	13	2
यास्तिका भाटिया कै. एव बो. शकेरा	31	21	6	0
मिताली राज कै. कॉनेल बो. मैथ्यूज	05	11	1	0
दीप्ति शर्मा कै. मैथ्यूज बो. मोहम्मद	15	21	2	0
हरमनप्रीत कै. कैपबेल बो. आलेन	109	107	10	2
ऋचा घोष रन आउट	05	10	0	0
पूजा कै. मैथ्यूज बो. मोहम्मद	10	05	2	0
झूलन कै. मोहम्मद बो. डॉटिन	02	05	0	0
स्नेह राणा नाबाद	02	02	0	0
मेघना सिंह नाबाद	01	03	0	0

अतिरिक्त: 14, कुल: 50 ओवर में आठ विकेट पर 317 रन **विकेट पतन:** 1-49, 2-58, 3-78, 4-262, 5-290, 6-311, 7-313, 8-315, **गेंदबाजी:** शमिला कॉनेल 10-0-57-1, शिनेल हेनरी 2-0-19-0, हेली मैथ्यूज 10-0-65-1, शकेरा सेल्मन 7-0-41-2, अनीसा मोहम्मद 9-0-59-2, डिएंड्रा डॉटिन 5-0-32-1, स्टेफनी टेलर 3-0-18-0, आलिया ऑलेन 4-0-26-1

वेस्टइंडीज महिला पारी	रन	गेंद	4	6
डिएंड्रा डॉटिन कै. मेघना सिंह बो. राणा	62	46	10	1
हेली मैथ्यूज कै. घोष बो. राणा	43	36	6	0
नाइट कै. स्मृति बो. मेघना	05	15	1	0
टेलर कै. घोष बो. मेघना	01	10	0	0
कैपबेल कै. राजेश्वरी बो. पूजा	11	17	1	0
शडीन नेशन रन आउट	19	48	1	0
शिनेल हेनरी पगबाधा राजेश्वरी	07	06	1	0
आलिया ऑलेन रन आउट	04	10	1	0
अनीसा मोहम्मद कै. भाटिया बो. झूलन	02	27	0	0
शकेरा सेल्मन नाबाद	07	21	0	0
शमिला कॉनेल कै. एव बो. राणा	00	07	0	0

अतिरिक्त: 1 कुल: 40.3 ओवर में 162 रन पर ऑल आउट **विकेट पतन:** 1-100, 2-108, 3-112, 4-114, 5-127, 6-134, 7-145, 8 155, 9-157, 10-162 **गेंदबाजी:** झूलन 6-1-43-1, मेघना 6-0-27-2, दीप्ति 7-0-24-0, राजेश्वरी 10-3-24-1, पूजा 2-0-21-1, स्नेह राणा 9.3-1-22-3,

मंधाना ने हरमनप्रीत के साथ शेयर की ट्रॉफी

टीम इंडिया की जीत में स्मृति मंधाना और उपकप्तान हरमनप्रीत कौर का अहम योगदान रहा। दोनों ने शतक लगाए और भारत को बड़े लक्ष्य तक पहुंचाया। जीत के बाद स्मृति मंधाना को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि, उन्होंने खेलभावना का परिचय देते हुए अवॉर्ड को हरमनप्रीत के साथ शेयर किया। मैच के बाद प्रजेंटेशन सेरेमनी में जब मंधाना को अवॉर्ड देने के लिए बुलाया गया, तो वह हरमनप्रीत को भी साथ लेकर गईं। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि शतक लगाने के बाद अगर खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड नहीं मिले तो मुझे अच्छा नहीं लगेगा। इसलिए ट्रॉफी को शेयर करना ही सही होगा। हम दोनों यह अवॉर्ड पाने के हकदार हैं। स्मृति मंधाना ने कहा, मैं और हरमनप्रीत अलग-अलग डिपार्टमेंट में मजबूत हैं। हरमन स्पिन को बेहतर खेलती हैं और मुझे पेसर्स पसंद हैं। इसलिए जब विंडीज के स्पिनर गेंदबाजी कर रहे थे तो मैं हरमनप्रीत को स्ट्राइक दे रही थी और जब तेज गेंदबाजी हो रही थी तो हरमन मुझे स्ट्राइक दे रही थीं। मुझे लगता है कि आईसीसी हम दोनों के लिए अलग-अलग ट्रॉफी की व्यवस्था करेगा। मुझे लगता है कि उनके पास इसके लिए बजट जरूर होगा।

हरमनप्रीत और मंधाना ने की रिकॉर्ड साझेदारी

भारत के लिए स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने विंडीज के खिलाफ चौथे विकेट के लिए 184 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। महिला विश्व कप में यह भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ने नौ साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले साल 2013 में कामिनी और पूनम राउत ने 175 रन की साझेदारी की महिला विश्व कप में चौथी महिला विश्वकप में यह चौथा मौका था, जब भारत की किसी जोड़ी ने 150 रन से ज्यादा की साझेदारी की थी। मंधाना और कौर से पहले कामिनी और पूनम राउत ने 2013 में 175 रन जोड़े थे। वहीं 2017 विश्व कप में मिताली राज और पूनम राइत ने 157 रन की साझेदारी की थी। साल 2000 में अंजुम चोपड़ा और चंद्रकांता कौल ने 151 रन की साझेदारी की थी।

हरमनप्रीत ने वर्ल्ड कप में तीसरा शतक जड़ा मिताली राज और स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ा

भारतीय बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर ने महिला वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे करियरा का चौथा शतक जड़ा है। हरनप्रीत महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनका वर्ल्ड कप इतिहास में यह तीसरा शतक है। इस मामले में हरमनप्रीत ने अनुभवी मिताली राज और ओपनर स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ दिया। दोनों के नाम दो-दो शतक हैं। हरमनप्रीत ने वर्ल्ड कप में अपना पहला शतक 2013 में लगाया था। तब इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 107 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने अपना दूसरा शतक 2017 में जड़ा था। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी मानी जाती है। हरमनप्रीत ने तब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 115 गेंद पर नाबाद 171 रन बनाए थे। तब उन्होंने 20 चौके और सात छक्के लगाए थे। टीम इंडिया 36 रनों से जीतकर फाइनल में पहुंची थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उसे इंग्लैंड के खिलाफ नौ रनों से हार मिली थी।

सिंगापुर स्मैश 2022: साथियान ने जीत से की अपने अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने 20 लाख डॉलर इनामी सिंगापुर स्मैश 2022 टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को यहां चीनी ताइपे के पेंग युव इन कोएन के खिलाफ 11-6, 8-11, 11-9, 11-8 की जीत के साथ की। दुनिया के 34वें नंबर के अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल को हालांकि 40 मिनट से भी कम समय में स्वीडन के 31वें नंबर के खिलाड़ी एंटोन कालबर्ग के खिलाफ 1-3 (11-6, 7-11, 6-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत की एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी मनिका बत्रा भी मो झेंग के खिलाफ हार के साथ पहले दौर में बाहर हो गई। दुनिया की 46वें नंबर की खिलाड़ी मनिका को चीनी मूल की कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद 12-14, 12-10, 13-11, 11-8 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मरे ने करियर की 700वीं जीत दर्ज की

इंडियन वेल्स। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के पहले दौर में एंडी मरे ने तारो डैनियल को हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली है। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का 700वां मैच जीत लिया है। वह यह कीर्तिमान हासिल करने वाले 18वें खिलाड़ी हैं। मरे ने इस मैच में धीमी शुरुआत की थी और तारो डैनियल के खिलाफ पहला सेट 1-6 के अंतर से हार गए थे। इसके बाद लय में वापसी करते हुए उन्होंने दूसरा सेट 6-2 के अंतर से जीता। मरे ने इस मैच में डैनियल को 1-6, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई है। मरे ने इससे पहले जनवरी में डेनियल को हराया था। इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए जगह बनाने वाले मरे दूसरे दौर में एलेक्सजेंडर बुलबिक से भिड़ेंगे।

जेल में कैदियों को कुश्ती सिखाएंगे सुशील

नई दिल्ली। सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में तिहाड़ जेल में बंद ओलंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार ने नई जिम्मेदारी ली है। उन्होंने जेल में बंद अन्य कैदियों को कुश्ती और शारीरिक फिटनेस की ट्रेनिंग देने का फैसला लिया है। इसके लिए जेल प्रशासन से सुशील को इजाजत भी मिल गई है। डीजी (कारागार) ने बताया कि हमने सुशील को कैदियों को फिटनेस और कुश्ती की ट्रेनिंग देने की इजाजत दे दी है। जो कैदी इसके इच्छुक हैं, वह सुशील से सीख सकते हैं।

डुप्लेसी बने आरसीबी के नए कप्तान

कोहली की जगह करेंगे टीम की अगुवाई

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल के आगामी सत्र के लिए शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी को अपनी टीम का नया कप्तान नियुक्त किया।

चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे डुप्लेसी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपा जाना लगभग तय था क्योंकि विराट कोहली ने एक दशक तक टीम की अगुआई करने के बाद पिछले सत्र के बाद कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। कोहली की कप्तानी में टीम आईपीएल खिताब जीतने में नाकाम रही। आरसीबी ने डुप्लेसी को नीलामी में सात करोड़ रुपए में खरीदा था और वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। टीम के अध्यक्ष प्रथमेश मिश्रा और क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन ने यहां एक आनलाइन कार्यक्रम के दौरान डु प्लेसी को

कैप सौंपी। वर्ष 2020 में सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी छोड़ने वाले डुप्लेसी ने कहा, इस मौके के लिए मैं बेहद आभारी हूं। मैं आईपीएल में काफी खेला हूं और खेल के विभिन्न आयामों को समझता हूं। विदेशी खिलाड़ी पर भरोसा करना आसान नहीं होता। आईपीएल शुरु होने से पहले आरसीबी, मुंबई, पंजाब और दिल्ली की टीम ने अपनी नई जर्सी जारी की।

पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी से 1-2 से हारा भारत

प्रो लीग: जर्मनी की ओर से पॉलीन हेन्ज और सारा स्ट्रॉस ने दागे गोल

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम शनिवार को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में महिला एफआईएच प्रो लीग 2021-22 के अपने पांचवें मैच में दुनिया की नंबर पांच टीम जर्मनी से पेनल्टी शूटआउट में 1-2 से हार गई। इससे पहले भारतीय टीम ने जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और मैच को 1-1 से ड्रॉ कराया।

मैच कितना रोमांचक और कड़ा रहा, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरे मैच में कुल दो गोल हुए, जो पहले क्वॉर्टर के पहले पांच मिनटों में हुए। उसके बाद कोई गोल नहीं हुआ। भारत की तरफ से फॉरवर्ड नवनीत कौर ने चौथे मिनट में शानदार फील्ड गोल

दाग कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई, हालांकि जर्मनी की ओर से युवा अटैकर कार्लोटा सिप्पेल ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया और इसी स्कोर पर मैच समाप्त हुआ। मैच के नतीजे के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया, जिसमें भारतीय कप्तान एवं गोलकीपर सविता पुनिया ने बेहतरीन बचाव किया, लेकिन टीम को मैच हारने से नहीं बचा पाई। उधर जर्मनी की गोलकीपर माली विचमैन का डिफेंस भी अटूट रहा। उन्होंने पांच में से चार गोल बचाए, जबकि सविता तीन बचा पाई। भारत के लिए केवल नवनीत कौर ने शूटआउट में गोल किया, जबकि जर्मनी की ओर से पॉलीन हेन्ज और सारा स्ट्रॉस ने गोल किए। इस बीच हॉकी इंडिया ने शनिवार को सुशीला चानू पुखरामबम को भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर बधाई दी।

ख्वाजा के नाबाद शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

कराची। उस्मान ख्वाजा (नाबाद 127) के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन शनिवार को 90 ओवर में तीन विकेट पर 251 रन का मजबूत स्कोर बना लिया।

ख्वाजा ने अपना 11वां शतक बनाया और 266 गेंदों में 13 चौकों तथा एक छक्के की मदद से 127 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। ख्वाजा ने डेविड वार्नर के साथ पहले विकेट के लिए 82 रन जोड़े। वार्नर ने 48 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली। मार्नस लाबुशेन नौ गेंदों में खाता खोले बिना रन आउट हो गए। ख्वाजा ने स्टीवन स्मिथ के साथ तीसरे विकेट के लिए 159 रन की साझेदारी की। स्मिथ ने 214 गेंदों में सात चौकों की मदद से 72 रन बनाये। स्टंप्स के समय नाथन लॉयन खाता खोले बिना क्रीज पर थे। पाकिस्तान ने दूसरी नई गेंद लेने के बाद इस साझेदारी को तोड़ा जब फहीम अशरफ ने हसन अली की गेंद पर स्लिप में नीचे की ओर जाता शानदार कैच लपका। नाथन लियोन ने अभी खाता नहीं खोला है। उन्हें दिन की आखिरी गेंद पर जीवनदान मिला जब इमामुल हक फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर उनका कैच नहीं लपक सके। गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी थे। इससे पहले दूसरे सत्र में पाकिस्तानी गेंदबाजों को कोई विकेट नहीं मिला। चाय से पहले आखिरी 12 ओवर में पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 15 रन दिए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। ख्वाजा और डेविड वॉर्नर (36) ने पहले विकेट के लिए 18 ओवर में 82 रन बनाए। पाकिस्तान ने लंच से पहले आखिरी घंटे में खेल में वापसी की जब फहीम अशरफ ने वॉर्नर का विकेट लिया। मार्नस लाबुशेन खाता खोले बिना रन आउट हो गए। रावलपिंडी में तीन रन से शतक से चूके ख्वाजा और वॉर्नर ने पहले 14 ओवर में 63 रन निकाले। पाकिस्तान के हसन अली और शाहीन शाह अफरीदी को पिच से कोई मदद नहीं मिली।

हेयर स्पा करवाते समय ना करें ये गलतियाँ वरना डैमेज हो सकते हैं बाल

महिलाऐं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे के साथ-साथ अपने बालों की भी खास देखभाल करती हैं। आजकल खराब जीवनशैली, खानपान और बढ़ते प्रदूषण के कारण हर किसी को रूखे-बेजान और झड़ते बालों की समस्या का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से निपटने के लिए अक्सर महिलाऐं पार्लर जाकर हेयर स्पा करवाती हैं। लेकिन अक्सर महिलाऐं हेयर स्पा करवाते समय कुछ ऐसी गलतियाँ कर बैठती हैं जिससे उनके बालों को फायदा होने के बजाय नुकसान होता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि हेयर स्पा करवाते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए - हेयर स्पा करवाने के लिए सबसे पहले एक अच्छा सैलून चुनें। स्पा करने से पहले यह चेक कर लें कि सैलून में अच्छी क्वालिटी के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल होता है। कुछ सैलून वाले अच्छी क्वालिटी के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करते हैं, जिससे बाल डैमेज हो सकते हैं। हेयर स्पा करवाने से पहले अपने बालों के टेक्सचर को समझिए। बालों के अलग-अलग टेक्सचर के हिसाब से स्पा किया जाता है। जैसे ड्राई बालों के लिए मॉइस्चराइजर युक्त स्पा प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए अपने बालों के टेक्सचर के हिसाब से स्पा करवाएं। हेयर स्पा करवाते समय जल्दबाजी ना करें। हेयर स्पा करवाने में टाइम लगता है इसलिए बेहतर होगा कि अपने घर के पास ही हेयर स्पा के लिए कोई सैलून चुनें। अगर आप जल्दी-जल्दी में स्पा करवाएंगी तो इससे आपके बालों में अच्छा रिजल्ट नहीं आ पाएगा। कई महिलाऐं बहुत कम समय में बार-बार हेयर स्पा करवाती हैं। इससे बाल अच्छे बनने के बजाय डैमेज होना शुरू हो जाते हैं क्योंकि इन प्रोडक्ट्स में हानिकारक केमिकल्स मौजूद होते हैं। इससे बालों को नुकसान पहुँचता है और बाल रूखे और बेजान होकर टूटने लग सकते हैं। इसलिए अगर बाल बहुत ज्यादा डैमेज हैं तो महीने में 2 बार हेयर स्पा करवाएं। वरना महीन में एक बार स्पा करवाना ही काफी है। हेयर स्पा से पहले बालों पर तेल का इस्तेमाल ना करें। इससे आपके बाल डैमेज हो सकते हैं। अच्छे रिजल्ट पाने के लिए हमेशा साफ बालों पर ही हेयर स्पा करवाएं।

श्रेयस अय्यर शतक से चूके लेकिन बुमराह ने श्रीलंका को झकझोरा

पहली पारी में भारतीय टीम 252 रन बनाकर ऑलआउट, श्रीलंका 86/6

बेंगलुरु। दूसरे गुलाबी गेंद टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन भारतीय टीम पहली पारी में 59.1 ओवर में ही 252 रन बनाकर ऑल आउट हो गई, लेकिन जसप्रीत बुमराह ने 15 रन पर तीन विकेट लेकर एक बार फिर श्रीलंका को बैकफुट पर धकेल दिया।

इससे पहले श्रेयस अय्यर (92) मात्र आठ रन से अपना शतक बनाने से चूक गए लेकिन उनकी इस शानदार पारी की बदौलत भारत स्पिन की मददगार पिच पर शनिवार को यहां सम्मानजनक स्कोर बनाने में कामयाब रहा। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में स्टंप्स तक अपने छह विकेट मात्र 86 रन पर खो दिए। श्रीलंका अभी भारत के स्कोर से 166 रन पीछे है। नोहम्मद शमी ने दो और लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल ने एक विकेट लेकर श्रीलंका को घुटनों के बल ला दिया। श्रीलंका की पारी में एंजेलो मैथ्यूज ने एकतरफा संघर्ष करते हुए 85 गेंदों में सर्वाधिक 43 रन बनाए। स्टंप्स के समय निरोशन डिकवेला 13 और लसिथ एम्बुलदेनिया खाता खोले बिना क्रीज पर थे। इससे पहले श्रेयस अय्यर ने श्रीलंकाई गेंदबाजों को चुनौती दी तथा एक छोर पर टिके रहे और 10 चौकों और चार छक्कों के दम पर 98 गेंदों पर 92 रन की शानदार पारी खेली, जिसने भारत को 252 के स्कोर तक पहुंचाया। वह हालांकि अपने शतक से चूक गए। वहीं विकेटकीपर ऋषभ पंत ने भी ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते सात चौकों की मदद से 26 गेंदों पर 39 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों को छोड़ कर अन्य सभी बल्लेबाज श्रीलंका के स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी फ्लॉप रहने के कारण चायकाल तक 29 ओवर में 93 के स्कोर पर चार विकेट खो दिए। भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा (15), मयंक अग्रवाल (4), विराट कोहली (23), और हनुमा विहारी (31), रवींद्र जडेजा (4 रन), रविचंद्रन अश्विन (13), और अक्षर पटेल (15) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। लसित एम्बुलदेनिया और प्रवीण जयविक्रमा ने तीन-तीन, जबकि धनंजय डीसिल्वा ने दो और सुरंगा लकमल ने एक विकेट लिया।

नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए श्रेयस अय्यर

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे मुकाबले में श्रेयस अय्यर ने 92 रन बनाए। अय्यर हालांकि अपने करियर का दूसरा शतक लगाने से चूक गए। वह स्टंप्स आउट होकर नर्वस नाइंटीज का शिकार हो गए। इसके साथ ही अय्यर अब सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। अय्यर टेस्ट क्रिकेट में चौथे ऐसे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं, जोकि स्टंप्स के रूप में नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं। अय्यर से पहले वीरेंद्र सहवाग टेस्ट क्रिकेट में स्टंप्स के रूप में 2010 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ 99 रन पर स्टंप्स आउट हो गए थे। सहवाग से पहले सचिन तेंदुलकर 2001 में इंग्लैंड के खिलाफ 90 रनों का स्कोर बनाया था। टेस्ट क्रिकेट में स्टंप्स के रूप में नर्वस नाइंटीज का शिकार होने वाले बल्लेबाजों में दिलीप वेंगसरकर भी शामिल हैं। वेंगसरकर 1987 में स्टंप्स के रूप में आउट हुए थे। उन्होंने उस मुकाबले में 96 रनों का स्कोर बनाया था।

टीकाकरण व कोरोना से बचाव को किया जागरूक, कैशपॉर माइक्रो क्रेडिट कंपनी ने महिलाओं को लाभकारी योजनाओं की दी जानकारी

प्रखर चन्दौली। जिले के अलीनगर में कैसपॉर माइक्रो क्रेडिट कंपनी गैर लाभकारी संस्था द्वारा कोविड-19 से बचाव एवं टीकाकरण जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रहे अलीनगर थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि कैसपॉर माइक्रो क्रेडिट कंपनी के रिजनल मैनेजर चंद्रशेखर यादव । वही थाना प्रभारी और रीजनल मैनेजर द्वारा कोविड-19 का किट महिलाओं को उपलब्ध कराया गया । विनय कुमार ने बताया आप लोग नियमों को पालन करते रहें और कोविड-19 की कोई दवा नहीं है, और अपने शरीर पर ईमयूनीटी सिस्टम का ध्यान दें ।सामाजिक दूरी और सैनिटाइजर एवं मास्क के उपयोग से ही हम इसे फैलने से रोक सकते हैं। इससे बचने के लिए जब भी बाहर निकले तो मुंह पर हमेशा मास्क का प्रयोग करें,और

हाथ आधा एक घंटा के हरेक अंतराल पर सैनिटाइजर एवं साबुन से हाथ धोएं। जिसमें बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल हुए। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया यह कैशपॉर माइक्रो क्रेडिट कंपनी एक्ट 1956 के तहत पंजीकृत एक गैर लाभकारी संस्था है।जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले समस्त महिलाओं की पहचान करना एवं उन्हें प्रेरित कर उन्हें वित्तीय सेवाएं एवं अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक सेवाएं ईमानदारी पूर्वक समय से तथा कुशलतापूर्वक प्रदान करना है। संस्था के द्वारा गरीब जरूरतमंदों को अनेक प्रकार की सेवाएं दी जाती हैं जिसके क्रम मे महिलाओं को आमंत्रित कर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा कोरोना के प्रति जागरूक कर अपनी संस्था के विचारों से सभी को अवगत कराने के साथ ही सभी को कोरोना से बचने के उपाय भी वक्ताओं ने बताए। इस मौके पर संस्था के संचालक श्वेता गुप्ता, ब्रांच मैनेजर कमलेश कुमार, जोनल हेड सुरईया खान खान , इमरान खान, विपिन कुमार सिंह ।आदि उपस्थित रहे।जिसमें उन्होंने जानकारी दिया कि जो लोग कैश पार से जुड़े हुए हैं उनके परिवार को १५० में 1 साल का मैडीकल कराने के लिए कैश पार साल का 30 दिन का नार्मल बीमारी 35 दिन तक 500 प्रतिदिन और ज्यादा बीमार होने पे 1000 प्रतिदिन जितने दिन हॉस्पिटल में रहेंगे उनको दिया जाएगा साथ ही शिक्षा में भी कम में शिक्षाएं भी दी जाएगी उनके परिवार के लिए .जो लोग कैश पार से जुड़े रहेंगे।

आठ प्रतिष्ठानों से लिए गए 11 खाद्य पदार्थों के नमूने

आजमगढ़। रंगों के पर्व होली पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश के लिए शनिवार को एफएसडीए (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) की टीम ने नौ प्रतिष्ठानों से कुल 11 नमूने लिये। नमूनों को सील कर जांच के लिए राजकीय जनविश्लेषक प्रयोगशाला भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एफएसडीए के मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डीके राय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौर्या स्वीट हाउस किशुनदासपुर से छेना की मिठाई, श्याम स्वीट हाउस किशुनदासपुर से गुलाब जामुन, शुभम गुप्ता स्वीट हाउस तहबरपुर से खोवा व बर्फी, एक वैन से सब्जी मसाला, बरनवाल एजेंसी रेलवे रोड सरायमीर से रिफाइंड व बेसन, नूरी दूध डेयरी से खोवा, रोडवेज मुबारकपुर दूधनाथ की डेयरी से घी, आत्मा किराना स्टोर जीयनपुर से मखाना और अमिलो मुबारकपुर स्थित इस्लाम की मिठाई दुकान से मिल्क केक के नमूने लिए गए। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित कुमार सिंह, हरेंद्र, आरके शुक्ला, आरबी चौहान, आरसी यादव व प्रेमचंद्र शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

95 लीटर अवैध अपमिश्रित शराब के साथ पांच गिरफ्तार

मऊ। शनिवार को थाना घोसी पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर खनीगा गांव के पास बगीचा से 95 लीटर अवैध अपमिश्रित शराब तथा 04 किग्रा यूरिया, 02 किग्रा फिटकरी बरामद कर राजेश पुत्र शिवधर निवाी बड़की खनीगा, कैलाश पुत्र जगरनाथ निवासी बड़की खनीगा, वकील पुत्र हरीश्चन्द्र निवासी बसावनपुर थाना घोसी, राकेश पुत्र शिवचन्द्र निवासी बड़की खनीगा, इम्तियाज पुत्र सहबान निवासी गोठा थाना दोहरीघाट जनपद मऊ को गिरफ्तार किया गया जबकि मौके पर लगभग 500 लीटर लहन को नष्ट किया गया तथा भट्ठी को भी नष्ट किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 97/2022 धारा 60,60 (2) आबकारी अधिनिमय व धारा 272,273 भादवि0 का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

शांति भंग की आशंका में 28 व्यक्ति धराए

मऊ। शनिवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा राबिन सिंह निवासी करमी, कौशल कुमार निवासी नसीरूद्दीनपुर थाना चिरैयाकोट, थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा विवेक यादव निवासी दतौड़ा थाना हलधरपुर, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मो0 अजमल, मो0 जावेद निवासीगण चांदपुरा, मो0 यूसूफ, मो0 अली, सलीम निवासीगण अलीनगर थाना कोतवाली, थाना मधुबन पुलिस द्वारा उमाशंकर साहनी, अमित साहनी, बाबुलाल, रजनीश निवासीगण मोलनापुर मिश्रौली थाना मधुबन, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा उर्मिला देवी, शीला देवी, रीना देवी, रूपा देवी, फूला देवी, रामअचल निवासीगण तडवा चैबेपुर, इजरारूल हम, रफीक, अब्दुला निवासी मड़हा, राजकुमार, सन्तु राजभर, सुनीता देवी निवासीगण देवसीपुर, कृष्णा यादव, हरिश्चन्द्र निवासीगण नगरीपार थाना मुहम्मदाबाद, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा रामअधार, रामअवध, केदार निवासीगण इन्दुपुर थाना रानपुर जनपद मऊ को अन्तर्गत धारा 151 सीआरपीसी तथा थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा मोदीराम पुत्र बखराज राम निवासीगण अलीनगर थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

मानदेय के लिए आशा बहुओं ने किया प्रदर्शन

मार्टीनगंज (आजमगढ़)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मार्टीनगंज से जुड़ी आशा बहुओं ने शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने मानदेय भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रभारी चिकित्साधिकारी घनश्याम को प्रार्थना पत्र देकर कहा कि कई महीनों से आशा बहुओं का मानदेय नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना था कि जनवरी से आज तक हम लोगों का मानदेय भुगतान नहीं हो सका है, जबकि जनपद के कई ब्लाकों में मानदेय भुगतान किया जा चुका है। जब अपने विभागीय लोगों से इस बात पर चर्चा की जाती है, तो कोई न कोई बहाना बनाया जाता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी घनश्याम का कहना है कि भुगतान किन कारणों से रुका है, इसकी जांच कराई जाएगी। अतिशीघ्र आशाओं का मानदेय दे दिया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में आशा बहू आशा संगिनी विकास समिति की सदस्य कुसुम सिंह, पूनम सिंह, बबिता सिंह, गीता राय, उर्मिला सिंह, रीता चौरसिया, अनिता राय, सुमिता यादव, साधना चौरसिया आदि शामिल थीं।

रसड़ा में इंडिया मार्का हैंडपंपों से निकल रहा दूषित पानी

रसड़ा (बलिया)। रसड़ा तहसील क्षेत्र के गांवों में लगे इंडिया मार्का हैंडपंपों में अधिकांश दूषित पानी दे रहे हैं। जबकि कई खराब पड़े हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार इस दिशा में सार्थक कदम उठाने की बजाय कागजी घोड़ा दौड़ाने में लगे हैं। ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल लोगों के लिए चुनौती बनती जा रही है। इंडिया मार्का हैंडपंपों के खराब होने, आर्सेनिक युक्त दूषित जल निकलने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। शुद्ध पानी नहीं मिल पाने के कारण विवशता में लोग दूषित पानी पीने को विवश हैं। इस कारण उन्हें अनेक बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीण जब खराब हो चुके व दूषित पानी देने वाले हैंडपंपों की मरम्मत व रिबोर की मांग करते हैं तो ग्राम प्रधान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ ले रहे हैं कि रिबोर का खर्च शासन-प्रशासन से नहीं आ रहा है।

आभूषण के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार

आजमगढ। दीदारगंज थाने की पुलिस ने शनिवार को हाइडिल चरौवा के पास से आभूषण के साथ बाल अपचारी समेत दो चोरों को गिरफ्तार किया। अमित कुमार विश्वकर्मा निवासी हड़वा थाना दीदारगंज के घर का ताला तोड़कर चोरों ने 12 फरवरी को आलमारी से 20 हजार रुपये तथा आभूषण चुरा लिए थे। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया था। इसी क्रम में दीनदयाल यादव निवासी पल्थी ने पांच मार्च को बकरी चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। चोरी की घटनाओं के राजफाश को उपनिरीक्षक नागेश चौधरी हाइडिल चरौवा पर गश्त कर रहे थे। संदिग्ध दिखे रवि यादव निवासी बनपुरवा व बाल अपचारी को पकड़ लिया। थानाध्यक्ष मदन कुमार गुप्ता ने बताया कि दोनों के पास से सोने की चेन, कान की बाली, अंगूठी व पायल बरामद हुआ। पांच मार्च को समुंद्रपुर गांव के पास चोरी की चार बकरी लेकर जाते ग्रामीणों के पीछा करने पर छोड़कर बाइक से भागने में दोनों सफल हो गए थे। शाहगंज रोड पर स्थित एक मकान में भी दोनों ने मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

करेंट की चपेट में आने से मजदूर झुलसा, रेफर

बलरामपुर (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली अंतर्गत मालटारी बाजार में शनिवार की दोपहर को एक निमार्णाधीन मकान में मजदूरी कर रहा युवक हाईटेंशन तार की चपेट में आने से झुलस गया। मकान मालिक ने आनन-फानन में झुलसे युवक को सीएचसी बिलरियागंज में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर देख डा. ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मजदूर जीयनपुर कोतवाली अंतर्गत कालिकापुर गांव निवासी हरिकेश (23) पुत्र लालबिहारी है। वह जहां काम कर रहे थे, वहां मकान का सैटरिंग का काम चल रहा था। ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरी थी, जिसकी चपेट में किसी तरह आ गए। आपातकालीन कक्ष में तैनात डा. राघवेंद्र सिंह ने हालत गंभीर देख हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

बालक-बालिका स्वस्थ स्पर्धा में सुनिश्चित हो जनभागीदारी

आजमगढ़। जिलाधिकारी कैंप कार्यालय पर शनिवार को पोषण अभियान की बैठक हुई। डीएम अमृत त्रिपाठी ने कार्यक्रम अधिकारी को स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा के पोषण अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने का निर्देश दिया है। कहा कि जन आंदोलन बनाने की दिशा में 21 से 27 मार्च तक 5588 आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें 0-6 वर्ष तक के बच्चों का वजन, लंबाई-ऊंचाई की माप लेते हुए उनके पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर की जांच की जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्रों पर वृद्धि निगरानी यंत्र, स्टेडियो मीटर आदि मशीन उपलब्ध है। इसमें बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए कहा कि प्रत्येक ग्रामपंचायत अधिकारी को लक्ष्य दिया गया है कि 20 मार्च तक अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में अधिक से अधिक अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों का पंजीकरण पोषण ट्रैकर पर कराया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, ग्रामप्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं आशा भी अभिभावकों के मोबाइल पर पोषण ट्रैकर डाउनलोड कराकर अधिक से अधिक बच्चों का पंजीकरण कराना सुनिश्चित कराएंगे। ब्लाकस्तर पर पांच आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श केंद्र के रूप में चिह्नित किया जाएगा। 27 मार्च को ब्लाक स्तर पर इस प्रतियोगिता में जिन परिवारों के बच्चे सबसे ज्यादा स्वस्थ पाए जाएंगे, उनमें से प्रत्येक ग्राम से एक बच्चे को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार दिया जाएगा। 28 मार्च को ब्लाक से चयनित सबसे स्वस्थ बच्चे को जनपद स्तर पर भी पुरस्कृत किया जाएगा।

चोरी के गहनों के साथ तीन महिलाएं गिरफ्तार

आजमगढ़। थाना कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को बिलरिया की चुंगी मजार गेट के पास से चोरी की चेन व लाकेट के साथ तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। 11 फरवरी को रीता यादव पत्नी गुलाब यादव निवासी गांधीनगर लक्षिरामपुर ने थाना कोतवाली में गहने चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। महिला उपनिरीक्षक लक्ष्मी शुक्ला ने बिलरिया की चुंगी मजार गेट के पास से गहनों के साथ तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। इन सभी के पास से पांच सौ रुपये, एक सोने की चेन, व एक लाकेट बरामद हुआ। पकड़ी गई महिलाओं में नीतू निवासी कागभार तेनुआ, बिलरियागंज, बिदु व पूजा निवासी ग्राम जहूराबाद, गाजीपुर शामिल हैं।

धूमधाम से मनाया गया राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 44वां वार्षिकोत्सव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 44 वां वार्षिकोत्सव, मेधा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण सर्जना- 2022 का रंगारंग आयोजन बीते शनिवार को हुआ। जिस के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पांडेय संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश प्रयागराज एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर बी.एल. शर्मा सहायक निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में जीवन के तीन लक्ष्य विद्यार्जन करना, धन अर्जन करना एवं तीसरा पुण्य अर्जन करना बताया। यदि समय रहते कोई मनुष्य इन तीन लक्ष्यों को प्राप्त नहीं करता तो उसका जीवन व्यर्थ हो जाता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.एल. शर्मा ने अपने संबोधन में जीवन में उपलब्ध अवसरों को न चूकने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. सविता भारद्वाज ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। आपने महाविद्यालय परिवार के प्रयास द्वारा महाविद्यालय को गतिमान बनाए रखने में महाविद्यालय के सभी सदस्यों एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके पहले अतिथियों का स्वागत प्रज्ञा रेंजर कलर पार्टी ने किया तथा एनसीसी छात्राओं ने मार्च पास्ट

करते हुए सलामी दी। मंच पर मुख्य अतिथि का स्वागत बैज, माल्यार्पण, स्वागत गीत एवं स्मृति चिन्ह द्वारा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के अभिनंदन पत्र का वाचन डॉ. संगीता, डॉ. गजनफर सईद एवं डॉ. दिवाकर मिश्र ने किया। महाविद्यालय के प्रोफसर डॉ. सत्येंद्र सिंह ने महाविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा आपने भामाशाह कार्यक्रम के अंतर्गत अपने दानदाताओं को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। अतिथियों ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ. उमाशंकर प्रसाद द्वारा लिखित राजस्थानी चित्रकला में श्रीकृष्ण डॉ. अमित यादव एवं डॉ. पिंकी यादव द्वारा लिखित सार्त्र का नैतिक दर्शन एवं डॉ. संतन कुमार राम द्वारा संपादित जलः मानवता की अतृप्त प्यास का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन समारोहक डॉ. विकास सिंह ने तथा संयोजन में सहयोग उमाशंकर प्रसाद, डॉ. सारिका सिंह, डॉ. इकलाख खान, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. नेहा ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा मेधा सम्मान पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। तत्पश्चात देर रात तक नयनाभिराम मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम जारी रहे। संगीत विभाग की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, होली नृत्य, बारहमासा सामूहिक लोकगीत, शास्त्रीय संगीत, गुजराती लोक नृत्य, राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत कर सम्मान दिया। ऐसी छात्राओं ने भारतीय सेना देश का गौरव पर समूह नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर लोगों मैं भारतीय सेना की प्रति सम्मान की भावना जागृत की। जबकि पूरा छात्राओं ने आकर्षक कव्वाली प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त दर्जनों एकल सामूहिक शास्त्रीय और लोक नृत्य के रंगारंग कार्यक्रम हजारों छात्राओं एवं अभिभावकों के बीच आयोजित हुए। सांस्कृतिक संध्या का संचालन डॉ. शशिकला जयसवाल एवं डॉ. निरंजन कुमार यादव ने किया। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में डॉ. टी.एन. गुप्ता, डॉ. सुनील तिवारी, डॉ. नीतीश पांडे, डॉ. अचल सिंह, डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव समेत समस्त महाविद्यालय परिवार हजारों छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव मेधा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण के अंतर्गत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने मेधावी एवं विशेष योग्यता वाली छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र मेडल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

शहीद उधम सिंह की कंबोज की 125 वीं जयंती मनाई गई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र के हिनौतीमाफी गांव के ग्राम पंचायत भवन में ग्रामीणों ने शहीद उधम सिंह कंबोज की 124वीं जयंती मनाई। इस मौके पर उनके चित्र पर ग्राम प्रधान

प्रदीप सिंह पटेल व भारी संख्या में ग्रामीणों ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि शहीद उधम सिंह कंबोज ने जलियांवाला कांड के दोषी को लंदन में जाकर गोली मारी थी। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। ग्राम प्रधान प्रदीप सिंह पटेल ने कहा कि उधम सिंह की जयंती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। बैसाखी के दिन 1919 को हुए जलियांवाला बाग कांड में जनरल डायर ने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवाई थीं। इस घटना से उधम सिंह व्यथित हो गए। उन्होंने बदला लेने का प्रण किया। अपने मिशन को अंजाम देने के लिए उधम सिंह अफ्रीका, नैरोबी, ब्राजील और अमेरिका गए। सन 1934 में उधम सिंह ने लंदन पहुंचकर लक्ष्य पूरा करने का इंतजार किया।कहा कि 13 मार्च 1940 को लंदन की रॉयल सेंट्रल एशियन सोसायटी के हाल में जहां डायर पहुंचा था। एक मोटी किताब में रिवाल्वर लेकर आए और बैठक के बाद डायर को गोली मार कर बदला लिया।ग्राम पंचायत ने जयंती पर ऐलान किया कि देश भक्ति के जोश को भरने के लिए अब गांव में निरन्तर जयंती मनाई जाएगी।इस अवसर पर गांव के संदीप सिंह,अंकित सिंह,आत्मा सिंह,चंद्रभान सिंह, राजेन्द्र सिंह, बब्बू सिंह, संदीप सिंह,पिंकू, राहुल, प्रकाश सिंह, मार्कण्डेय सिंह,बल्ली सिंह, पंकज सहित आदि ग्रामीणों ने यादकर नमन किया।

पोखरे में मिला बालक का शव, सनसनी

बेरुआरबारी (बलिया)। सुखपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत असेगा स्थित बड़ा पोखरा में शनिवार को एक 10 वर्षीय बालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना स्थल पर भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने किसी तरह शव को पोखरे से बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी। देर शाम पुलिस पहुंची और आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। रुस्तमपुर निवासी सुखवेंद्र पुत्र देवपूजन असेगा स्थित अपने नाना रघुनाथ राम के घर मां के साथ आया था। दो दिन पूर्व उसकी मां उसे यहीं छोड़ गांव चली गईं। सुखवेंद्र शुक्रवार की शाम को लापता हो गया। स्वजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। फेसबुक व व्हाट्सएप के माध्यम से लोगो ने खोजबीन शुरू की लेकिन कहीं पता नहीं चला। शनिवार की शाम किसी ने पोखरे में शव उतराया देखा। बालक का शव देखकर नाना रघुनाथ राम व नानी सोनिया देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

भाकियू के किसानों का विभिन्न समस्याओं को लेकर पंचायत बैठक सम्पन्न

प्रखर अहरौरा (मिजार्पुर)। दिन रविवार को शिवमंदिर करहट (जादवपुर) में किसानो का पंचायत हुआ।पंचायत के अध्यक्षता रामवृक्ष चौहान और संचालन वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव ने किया। किसानों के पंचायत बैठक में निम्न समस्याओं पर चर्चा की, गेहूं खरीद के लिए अधिक से अधिक क्रय केंद्र खोले जाएं और सहकारी समितियों पर पीसीएफ के केंद्र खोलने की वरीयता दी जाय। रेलवे द्वारा किए जा रहे कार्य के दौरान गाड़ियों के आने जाने से रेलवे के किनारे किनारे किसानों की फसलों पर काफी धूल व मिट्टी जम गया है जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं और कटाई बाधित हो रहा हैं डीएफसीसी के द्वारा बनाए गए रास्ते पर पानी का छिड़काव करवाया जाए जिससे धूल ना उड़े। रेलवे द्वारा भूमि अधिग्रहण से संबंधित किसानों को भुमि का मुआवजा व फसल का मुआवजा लेने के लिए पेपर के सत्यापन व हिस्सा कसी के नाम पर तहसील कर्मियों के द्वारा

किसानों का शोषण किया जा रहा हैं, इसको रोका जाय। वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर महाविद्यालय के सामने वनस्थली महाविद्यालय के सामने अहरौरा में SH 5 पर नवनिर्मित टोल गेट हटाया जाए। क्यों की सड़क निर्माण के समय DPR मे कोई टोल गेट का जिक्र नहीं था, जबकी लगभग 16 किलोमीटर पर फत्तेपुर मे टोल बना हैं, इसका सीधा असर क्षेत्र के पर्यटन स्थल पर व क्षेत्रीय जनता के ऊपर पड़ रहा हैं जिससे लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही हैं। रेलवे अधिग्रहण से संबंधित किसानों को इजीमेंट (सुखाधिकार भुगतान) व पुनर्वास का पैसा दिलाया जाए। कुंडाडीह मौजा मे गोपालापुर माइनर से लक्ष्मीनिया नाला जमालपुर मु बरईपुर तक पानी निकासी के लिए रेलवे के किनारे से नाली की व्यवस्था बनाया जाए। इस वर्ष खरीदे गए किसानों के धान का बकाया भुगतान जल्द से जल्द कराया जाए। पुरातन शिव मंदिर जादवपुर (करहट) के पास से जा रही रेल लाइन को पिलर के ऊपर से ले जाया जाय जिससे मंदिर बरकरार रहे। इस पंचायत बैठक में प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह, प्रहलाद सिंह, जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी, जिला उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, युवा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, जिला सचिव पंचम सिंह, राम सिंगार सिंह, तहसील अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ,भोला नाथ गिरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सावित्री देवी ललन सिंह ल, लक्ष्मण सिंह राम सूरत सिंह, अजय सिंह, कैलाश नाथ, सुनील सिंह, प्रमोद सिंह कृष्ण मुरारी सिंह, विजय विश्वकर्मा, तेतरा देवी, बदामा देवी, चंद्रहास सिंह, अरुणसिंह, सुखई राम के साथ सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित विधायक का पार्टी कार्यालय पर किया गया स्वागत समारोह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के सदर विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक जै किशन साहू का पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर सदर विधानसभा के अध्यक्ष तहसीन अहमद की अध्यक्षता मे स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन तो जै किशन साहू के स्वागत का था लेकिन उन्होंने पुरानी परम्परा को तोड़ते हुए स्वयं पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों, सेक्टर और बूथ प्रभारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और चुनाव जिताने एवं समर्थन देने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वागत और सम्मान का हकदार मैं नहीं बल्कि वह है जिनकी कड़ी मेहनत, त्याग, मशक्कत और समर्पण की बदौलत पार्टी और मेरी जीत हुई है। आगे उन्होंने कहा कि सम्मान का हकदार मैं नहीं बल्कि पार्टी के कार्यकर्ता, नेता और इस क्षेत्र की सम्मानित जनता हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में जिस तरह से जनता का अपार जनसमर्थन, प्यार और मोहब्बत मिला है उसका मैं

आजीवन ऋणी रहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार न बनने से मन दुखी और उसका मलाल जरूर है। सरकार न बनने से मैं और पार्टी के कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि प्रदेश का हर गरीब, बेरोजगार और नौजवान सभी मायूस हैं। आज प्रदेश का नौजवान कहीं अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र फाड़कर तो कहीं आत्महत्या कर अपनी गहरी निराशा और दुख व्यक्त कर रहा है। इस प्रदेश का गरीब, नौजवान और बेरोजगार यह समझता था कि यदि अखिलेश जी की सरकार बनेगी तो हमारी समस्याओं का अंत होगा। सरकार न बनने से गरीब नौजवानों का सपना टूटा है। उन्होंने कार्यकताओं से निराश और दुखी न होने की बात कहते हुए हौसला बनाए रखने की अपील किया और कहा कि जिस तरह से भाजपा सरकार ने हेराफेरी करके जनता के मतों को लूटकर गरीब, बेरोजगार, नौजवान, महिलाएं और कर्मचारियों का सपना तोड़ने और उनकी भावनाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है उसकी कीमत आगामी होने वाले विधानपरिषद, नगरपालिका और लोकसभा के चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त खाकर चुकानी पड़ेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, पूर्व मंत्री सुधीर यादव, प्रदेश सचिव राजेश कुशवाहा, गोपाल यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, रामवचन यादव, शिवशंकर यादव, राधेश्याम यादव, बृजदेव खरवार, परशुराम बिंद, रमेश यादव, अशोक कुमार पाण्डेय, असलम खां, सिंहासन यादव, रामकरेश यादव आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष दिनेश यादव ने किया।

सशक्त भूमिका निभाते हुए पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे- जय चौबे पूर्व विधायक

प्रखर संतकबीरनगर। पूरे प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गया है और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार भी बन चुकी है इसी को लेकर खलीलाबाद से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी पूर्व विधायक जय चौबे चुनाव में हार गए हैं। चुनाव हारने के बाद पूर्व विधायक जय चौबे आज मीडिया से रूबरू हुए उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि विपक्ष में सशक्त भूमिका निभाते हुए पार्टी को मजबूत करने का काम किया जाएगा उन्होंने कहा कि जिस तरीके से कार्यकताओं ने चुनाव में उनको सम्मान और प्यार दिया है वह कभी नहीं भूल पाएंगे कार्यकताओं के सम्मान और उनकी मदद के लिए उनका दरवाजा हमेशा खुला रहेगा। आपको बता दें कि खलीलाबाद सदर से पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी थे खलीलाबाद से 63000 मत पाने के बावजूद भी जय चौबे चुनाव हार गए चुनाव हारने के बाद जय चौबे आज मीडिया से रूबरू हुए उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि खलीलाबाद विधानसभा में जिस तरीके से बड़े बुजुर्गों और कार्यकताओं का प्यार और सम्मान मिला है वह उसको कभी भूल नहीं पाएंगे कार्यकताओं के मान सम्मान के साथ हमेशा खड़ा रहने का काम करेंगे उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव को लेकर लगातार में जनता के बीच में पहुंचेंगे और समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान परिस्थितियां अनुकूल नहीं रही लगातार समस्याएं बनती रही टिकट लेट मिलने के कारण भी समस्याएं बनती रही समाजवादी पार्टी के बेस वोटर भी गुमराह हो गए उन्होंने उन सब से भी अपील की है की गुमराह को छोड़कर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करें। मीडिया से बातचीत में पूर्व विधायक जय चौबे ने कहा कि दो-तीन दिनों में लगातार फिर से विधानसभा क्षेत्र का दौरा करते हुए लोगों के सुख दुख में काम आने का काम किया जाएगा और समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम किया जाएगा।

जरगो जलाशय में डूबने से छात्र की मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र में स्थित जरगो जलाशय में डूबने से एक छात्र की शनिवार देर शाम मौत हो गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकालकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया । जानकारी के अनुसार क्षेत्र के सोनवर्षा खुर्द निवासी विकास कुमार कन्नौजिया पुत्र मोतीलाल कन्नौजिया उम्र 21 वर्ष जो आ टी आई का छात्र था शनिवार शाम साइकिल से घूमने के लिए जरगो जलाशय की तरफ गया था ।

जलाशय के पानी में मौज मस्ती करते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया जिससे डूबने के कारण उसकी मौत हो गई । देर शाम तक जब विकास घर नहीं

पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी उसके बाद तलाशी के दौरान उसकी साइकिल जरगो जलाशय के किनारे देख कर लोगों को आशंका हुई और लोग बांध के पानी में तलाशी शुरू किए तो ग्रामीणों के सहयोग से कटिया के सहारे शव को जलाशय से बाहर निकाला जा सका । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए चुनार भेज दिया । इमलिया चट्टी चौकी प्रभारी सुभाष यादव ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर शव को अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया गया है । विकास के डूबने की घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं भी व्याप्त है ।

युवाओं को सशक्त बनाने हेतु लगा रोजगार मेला

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। खजुरी चट्टी गांव (साधु कुटिया) के पास हाईवे किनारे एक लान में रविवार को मित्र सेवा फाउंडेशन की ओर से विकास सबके द्वार कार्यक्रम के तहत डिजिटल इंडिया क्रांति के माध्यम से युवांओ को स्वरोजगार उपलब्ध कराने व सशक्त बनाने हेतु रोजगार मेला एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक मित्र एवं डिजिटल सेवा से जुड़े सभी मित्रों को वित्तीय समावेश, सामाजिक विकास, महिला सशक्तिकरण, कृषक कल्याण, डिजिटल सिस्टम प्रोत्साहन आदि की जानकारी प्रदान कर सेवा से जुड़ रोजगार अपनाने के साथ ही उससे संबधित प्रशिक्षण दिया गया।मेला में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से आए चार सौ युवांओ ने भाग लिया।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मित्र सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रेम सिंह आजाद ने संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला साथ ही मित्र सेवा से

जुड़े लोगो के लिए हर वर्ष 5 लाख का दुर्घटना बिमा व एक लाख आफिसियल सामानों के चोरी होने या टूटने फूटने पर देने का ऐलान किया।विशिष्ट अतिथि के रूप में रेनू सिंह व हरिकृष्णा उपस्थित रहे। आयोजक एरिया मैनेजर अभय त्रिपाठी व असिस्टेंट एरिया मैनेजर विनीत त्रिपाठी ने रोजगार मेले में आए अतिथियों का आभार जताया। इस दौरान एरिया मैनेजर मध्य प्रदेश श्रीकांत कश्यप, फील्ड ऑफिसर यूपी ईस्ट राहुल कुमार यादव, राकेश केसरी, विकास त्रिपाठी, आनंद सिंह कुंडा, संध्या तिवारी, राजेश कुमार, अकील अहमद सहित दर्जनों लोग रहे।संचालन नीरज पांडेय ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन छात्र छात्राओं ने सर्व शिक्षा अभियान के तहत रैली निकाली

प्रखर बिंद्रा बाजार आजमगढ़। रामदेव मेमोरियल महाविद्यालय रानीपुर रजमो मुहम्मदपुर राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन छात्र छात्राओं ने सर्व शिक्षा अभियान के तहत रैली निकाली जो रामदेव महाविद्यालय रानीपुर रजमो से दयालपुर मोड़ होते हुए रामदेव मेमोरियल महाविद्यालय पर पहुंची जिसमें विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमरनाथ यादव ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का मुख्य उद्देश्य है छात्र-छात्राओं के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालना है रामअवतार स्नेही ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्र छात्राओं को समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान के साथ समाजिक सेवा के माध्यम अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ लिपिक बरखू चौहान, डॉ आलोक वर्मा,डॉ शैलेश कुमार,डॉ आदित्य,रविन्द्र राम, राजेश कुमार,माया सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

उम्र का अर्धशतक पार कर चुके पुलिसकर्मी होंगे सेवानिवृत्त

आजमगढ़। काम न करने के आदती पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिग करने का फरमान फिर से महकमे के पास पहुंच चुका है। नए आदेश से विभाग पर बोझ बने अक्षम कर्मचारियों की परेशानी बढ़ेगी। कर्मचारियों में काम के प्रति दक्षता बढ़ाने के प्रति गंभीर शासन ने थक चुके कर्मचारियों की 20 मार्च तक सूची मांगी है। ऐसे में कर्मचारियों के पास काम की बदौलत अपनी उपयोगिता साबित करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचेगा। पुलिस का दूसरा नाम अनुशासन होता है। अनुशासन का आयाम भी बहुत बड़ा होता है। मसलन, वर्दी का, बात करने का, जिम्मेदारियों के निर्वहन करने का इत्यादि। यही अनुशासन काम करने के प्रति दक्षता बरकरार रखने में मददगार बनता है। शासन का फरमान 50 वर्ष या इससे ऊपर के उम्र वाले कर्मचारियों को कायदे के दायरे में लाने का फरमान है। एडीजी स्थापना अशोक सिघल ने काम करने में अक्षम पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिग कर उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने का आदेश दिया है।

अभिव्यक्ति की आजादी का अनूठा प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित होगी किताब

अब कैदी भी लिख सकेंगे अपनी कहानी अनुभव और संस्मरण

प्रखर गाजीपुर। राष्ट्र पिता महात्मा गांधी ने कहा था अपराध से घृणा करो, अपराधी से नहीं- महात्मा गांधी के इसी अभिव्यक्ति को मूर्त रूप देते हुए उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन डॉक्टर उमेश शर्मा के निर्देशन में प्रांतीय सहयोग सचिव/ जेल पर्यवेक्षक उ.प्र. समस्त जेल मयंक सिंह की अगुवाई में जिला कारागार में कैदियों की नकारात्मक मनोस्थिति और अवसाद जैसी समस्याओं के निराकरण हेतु कार्य योजना जेल प्रशासन के समक्ष रखी गई। इस पर जेल प्रशासन ने भी अपनी सहमति दी।

जेल में बंद कैदियों की मनोदशा सुधारने के लिए उनकी कहानियों, अनुभवों व संस्मरणों को किताब की शक्ल में प्रकाशित करने के लिए कार्य योजना तैयार की गई। उल्लेखनीय है कि जेल में बंद कैदियों के प्रति आम धारणा नकारात्मक ही होती है जबकि कैदियों की एक बड़ी संख्या ऐसी है जिन पर अभी अभियोग सिद्ध नहीं

हो सके हैं एवं मुकदमे लंबित हैं। ऐसे निरपराध कैदियों की सामाजिक छवि को सुधारने में इनकी किताबों के प्रकाशन से मदद मिलेगी जिससे इन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लौटने में आसानी होगी।

कैदियों में सकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को बढ़ाने के लिए श्रीमद्भागवत गीता की 11 प्रतियां ब्लू बक पब्लिकेशंस नई दिल्ली के प्रकाशक अजय आनंद ने जेल प्रशासन को भेंट की। श्री अजय आनंद जी ने उपरोक्त कार्य योजना को मूर्त रूप देते हुए किताबों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित करने एवं उनके प्रचार-प्रसार में अपना पूर्ण सहयोग देने का दायित्व लिया। जोन सचिव डॉ एके राय ने कहा कि समिति भविष्य में भी कैदियों के लिए कल्याणकारी योजनाओं में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाती रहेगी। इस अवसर पर जेलर शिव कुमार यादव, डिप्टी जेलर रविंद्र यादव व कमल चंद्र तथा समिति के जिला सचिव अभिषेक सिंह उपस्थित रहे।

पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर एबीपीएसएस देगी मुख्यमंत्री को पत्रक

पारदर्शी व्यवस्था के लिए लेखनी की धार पैनी करें पत्रकार : अजय प्रताप नारायण सिंह, अभा पत्रकार सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

प्रखर कसया, कुशीनगर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसएस) जनपद इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक साखोपार में हुई। जिसमें पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिलकर पत्रक देने का निर्णय लिया गया। आयोजित बैठक में मुख्यअतिथि प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े कर्मयोगियों की समस्याओं की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी मिलने के इतने दिनों बाद भी पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं बना, तमाम सरकारें आई और गई लेकिन पत्रकारों के लिए कानून की बात किसी ने नहीं किया। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ही एकमात्र ऐसा संगठन है जो देशभर

में कानून बनाए जाने की मांग को लेकर अलख जगाए हुए है। श्री सिंह ने आह्वान किया कि पत्रकारों के मान सम्मान के लिए देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू के लिए हम सभी एकजुट हों। सांगठनिक परिचर्चा में अध्यक्षता करते हुए मण्डल अध्यक्ष फरेंद्र पाण्डेय ने सांगठनिक विस्तार पर चर्चा की। अंत में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को लेकर सहमति बनी कि मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के बाद एक प्रतिनिधिमण्डल उनसे मिलकर ज्ञापन देगा। संचालन जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा ने की। अध्यक्षता में जिलाउपाध्यक्ष विजय कुमार राव, जिला कोषाध्यक्ष असफाक अंसारी, तहसील उपाध्यक्ष आशुतोष श्रीवास्तव, सचिव विनोद कुमार तिवारी, मोहम्मद असलम, अब्दुल मजीद, अशोक दत्त पाण्डेय, विवेकानन्द सिंह, पवन कुमार शर्मा, मोहन वर्मा, आफताब आलम, विश्वनाथ, रवि कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, जिला सचिव मन्तोष जायसवाल, तहसील अध्यक्ष पडरौना एहतेशाम जाफर, मुन्ना कुमार राय, ज्ञानचंद गोंड़, श्याम बदन सहित संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

एग्रो पार्क में लगा श्रम मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य शिविर, सैकड़ो कमर्चारियों की हुई जांच

प्रखर पिंडरा वाराणसी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तत्वाधान में आजादी का महोत्सव कार्यक्रम के तहत एसिक पखवाड़ा एवं आइकोसिक पखवाड़ा के तहत एग्रो पार्क करखियाव में कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें कर्मचारी निगम से जुड़े 105 व अन्य 255 कर्मचारियों के विभिन्न रोगों की जांच के साथ निशुल्क दवा दी गई।शिविर के दौरान एग्रो पार्क के कर्मचारियों के आंख, कान, नाक के अलावा सुगर व बीपी की जांच की गई। जिसमें आँख, नाक कान के 156 में से 28 लोग गंभीर रूप से ग्रसित मिले। वही सुगर व बीपी के 23 लोग गंभीर मिले। जिन्हें कर्मचारी निगम अस्पताल के लिए रेफर किया गया। डॉ आयुष सिह, डॉ प्रतिभा , डॉ राजकुमार के अलावा चिकित्सकीय टीम के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान पार्ले एग्रो के मानव संसाधन प्रबंधक अनिल सिंह ने

ईएसआई द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।और कर्मचारियों को जागरूक किया। इस अवसर पर पौधरोपण भी चिकित्सको के हाथों कराया गया। इस दौरान एग्रो पार्क एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोजमध्येशिया, रवि गुप्ता ,राकेश कश्यप ,अभिषेक समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रंगभरी एकादशी उत्सव का दसरा दिन चला हो गौरा ऊंचे पहड़वा, तोहरा के भोला बुलउले बा

गौरा को ससुराल के नियम समझाने के साथ गाए गए मंगल गीत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शिव-पार्वती विवाह के उपरांत रंगभरी (अमला) एकादशी पर बाबा के गौना की रस्म उत्सव का क्रम शुक्रवार से टेढीनिम स्थित विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास पर आरंभ हो गया। महंत आवास पर गौरा के रजत विग्रह को संध्याबेला हल्दी लगाई गई। महंत आवास पर गौरा के विग्रह के समक्ष सुहागिनों और गवनहियों की टोली संध्या बेला में महंत आवास पहुंची। इस उत्सव में मोहल्ले की बुजुर्ग महिलाएं भी शरीक हुईं। शुक्रवार की शाम हुए इस उत्सव में ढोलक की थाप और मंजीरे की खनक के बीच मंगल गीत गाते हुए महिलाओं ने गौरा को ससुराल के नियम समझाया। मांगलिक गीतों से महंत आवास गुंजायमान हो उठा। लोक संगीत के बीच बीच शिव-पार्वती के मंगल दाम्पत्य की कामना पर आधारित पारंपरिक गीतों का क्रम देर तक चला। मंगल गीतों में यह चर्चा भी की गई कि गौना के लिए कहां क्या तैयारी हो रही है।

विशेष- गौरा को विदा कराने रविवार को ससुराल पहुंचने से भोले बाबा के आगमन के लिये तैयारिया कि जा रही है ठंडई मेवे और पकवान की व्यवस्था कि जा रही है।

बीजेपी सरकार बनने से मुसलमानो का होगा भला : जाहिद सिद्दीकी

कहा-सेकुलर पार्टियां ने सिर्फ धोखा दिया

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। विश्व शांति पार्टी के संस्थापक जाहिद सिद्दीकी ने कहा कि सेकुलर पार्टियां मुसलमानों को बीजेपी का भय दिखाकर गुमराह किया है, बीजेपी के स्पष्ट जनादेश से स्पष्ट हो गया है कि जाति धर्म की राजनीति करने वालों का सूबे की अवाम ने अपना फैसला सुना दिया है। बीजेपी सरकार में मुसलमान सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करते है। श्री सिद्दीकी शनिवार को दूरभाष पर मीडिया से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बिना नाम लिए सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल सिर्फ मुसलमानों का वोट लेना जानती है। लेकिन इन्हें मुस्लिम दल से परहेज है।मुख्यमंत्री ने अपने पाँच साल के कार्यकाल में साबित कर दिया कि वे सर्वसमाज को लेकर बखूभी चल सकते है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि सूबे में बीजेपी के सरकार में एक भी दंगे नही हुए है। गुमराह कर सत्ता की ख़्वाब देखने वाली पार्टी को जनता ने नकार दिया है। योगी सरकार के जनमत से मुसलमानों कद और बढ़ गया है,जितना सुकून बीजेपी सरकार में मुसलमानों को मिला है उतना अन्य दलों की सरकार में नही मिला है।

कक्षा 10 (टर्म वन) का बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस बाबतपुर कैम्पस वाराणसी के सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाबतपुर कैम्पस की शिवांगी पाण्डेय 97 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस के बाबतपुर कैम्पस का सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में परिणाम शत-प्रतिशत रहा कक्षा 10 (टर्म वन) की इस परीक्षा में सभी छात्र-छात्रायें उत्तीर्ण हुए। बाबतपुर कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा सिंह के अनुसार विद्यालय की शिवांगी पाण्डेय 97 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान रोहित विश्वकर्मा 93.5 प्रतिशत के साथ द्वितीय व शैलजा यादव 92.5 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस के चेयरमैन दीपक कुमार बजाज ने सभी छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी एवं टर्म टू की परीक्षा हेतु और कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। श्री बजाज ने स्कूल के शिक्षकों की मेहनत के लिए उनकी सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक व अभिभावकों के सहयोग से बच्चों के जीवन में उपलब्धि सम्भव हो पाती है साथ ही प्रबंध निदेशक मनोज बजाज, अधिशासी निदेशक श्याम सुन्दर बजाज, अनिल के. जाजोदिया, आयुष्मान बजाज एवं नरेन्द्र पाण्डेय ने भी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामना की।

दिव्यांगजनो, निराश्रित महिलाओं को चादर वितरित

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत तहसील के बीरमपुर ग्राम में आज श्री रामगरीब विकास समिति के तत्वाधान में दिव्यांगजनो,निराश्रित महिलाओं को चादर वितरित किया गया।समिति के संरक्षक शिक्षक नेता कैलाश नाथ सिंह ने कहा की विगत 10 वर्षो से निराश्रित ,गरीब,दिव्यांगजनो के बीच ठंड से बचाव के लिए उपहार स्वरूप कम्बल वितरण किया जाता था लेकिन कोरोना महामारी के दृष्टिगत पिछले वर्ष नही हो सका था इसलिए इस मौसम में चद्दर के वितरण की व्यवस्था की गई है।श्रीराम गरीब सिंह की स्मृति में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसमे क्षेत्र के तमाम लोग उपस्थित हुए।इसमे 56 लोगो के बीच यह वितरण किया गया।इस अवसर पर अरुण प्रधान ने वितरित करते हुए दिव्यांगजनो का ससम्मान आभार भी व्यक्त किया।कार्यक्रम में कांता सिंह,अंजनी सिंह,सत्यप्रकाश आजाद,अशोक सिंह,शिब्बू,बिन्दा, ज्ञानू,नीरज,राजू,संजय सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं